राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,13सितम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –228 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of
India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

डीसीजीआई का भारतीय सीरम संस्थान को ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके परीक्षण के लिए नए उम्मीदवारों की भर्ती रोकने का निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने भारतीय सीरम संस्थान से कहा है कि वह दवा कंपनी एस्ट्राजेनेका द्वारा दूसरे देशों में ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके का परीक्षण रोके जाने के मद्देनजर के दूसरे और तीसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण के लिए नए उम्मीदवारों की भर्ती को अगले आदेश तक रोक दे। महानियंत्रक डॉक्टर वी जी सोमानी ने शुक्रवार को एक आदेश में भारतीय सीरम संस्थान (एसआईआई) से यह भी कहा कि परीक्षण के दौरान अभी तकटीका लगवा चुके लोगों की सुरक्षा निगरानी बढ़ाए। साथ ही योजना और रिपोर्ट पेश करे। महानियंत्रक के इस आदेश के प्रति पीटीआई-भाषा को प्राप्त हुई है। आदेश के अनुसार, सोमानी ने कंपनी से यह भी कहा है कि वह भविष्य में परीक्षण के लिए नई भर्तियां करने से पहले उनके कार्यालय

(डीसीजीए) से पूर्वानुमति के लिए ब्रिटेन और भारत में डाटा एंड सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी) से मिली मंजूरी जमा कराए। डीसीजीए ने एस्ट्राजेनेका द्वारा दूसरे देशों में टीके का परीक्षण रोके जाने के बारे में जानकारी नहीं देने को लेकर नौ सितंबर को एसआईई को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

कार्टून शेयर करने पर मुंबई में रिटायर्ड नेवी अफसर की शिवसेना वर्कर्स ने की पिटाई

मुंबई। मुंबई में नौसेना के पूर्व अधिकारी की कथित तौर पर शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा पिटाई का मामला सामने आया है। मुंबई पुलिस ने नौसेना के पूर्व अधिकारी पर हुए हमले के सिलसिले में शिवसेना के कमलेश कदम समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। शिवसेना के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि नेवी से रिटायर्ड 65 वर्षीय अफसर ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लेकर एक कार्टून फॉरवर्ड किया था।

पूर्व नेवी ऑफिसर की पिटाई मामले में शिवसेना नेता कमलेश कदम समेत चार गिरफ्तार, फडणवीस बोले- गुंडाराज रोकिए उद्धव ठाकरे

मुंबई के समता नगर पुलिस स्टेशन में कमलेश कदम और उनके 8-10 साथियों के खिलाफ नौसेना के पूर्व अधिकारी की पिटाई करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। जिसके बाद पुलिस ने कदम समेत अभी तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच ट्विटर पर इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कथित शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा बुजुर्ग रिटायर्ड अधिकारी की पिटाई होते देखा जा सकता है। इस वीडियो को कांदिवली ईस्ट से विधायक अतुल भटखालकर ने शेयर किया है। दरअसल, पूर्व नेवी ऑफिसर का नाम मदन शर्मा है और उन पर आरोप है कि उन्होंने एक कार्टून को व्हाट्सएप पर फॉरवर्ड कर दिया था। पूर्व नेवी ऑफिसर ने कहा- एक मैसेज जिसे मैने फॉरवर्ड किया था, उसके बाद मेरे पास धमकियां भरी कॉल्स आ रही थीं। आज करीब 8-10 लोगों ने मुझ पर हमला कर दिया और बुरी तरह से पिटाई की। मैंने पूरा जीवन राष्ट्र के लिए काम किया है। ऐसी सरकार नहीं होनी चाहिए। पूर्व नेवी ऑफिसर की बेटी डॉक्टर शीला शर्मा ने कहा, उनके पास मैसेज फॉरवर्ड करने के बाद धमकी भरी कॉल्स आईं। शिवसेना के कई कार्यकर्ताओं ने उनकी बुरी तरह से पिटाई की। उसके बाद पुलिस हमारे घर आई और हमारे पिता को अपने साथ लेकर गई। हमने एक एफआईआर दर्ज कराई है। इधर, पूर्व नेवी ऑफिस पर हमले को लेकर बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे सरकार पर ट्वीट कर हमला बोला है। फडणवीस ने कहा, काफी दुखद और अचंभित करने वाली घटना। रिटायर्ड नेवी ऑफिसर की सिर्फ इसलिए पिटाई की गई क्योंकि व्हाट्सएप पर फॉरवर्ड किया था। कृप्या गुंडा राज रोकिए उद्धव जी। हम ऐसे गुंडों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग करते हैं।

देसी वैक्सीन का कमाल, बंदरों के शरीर से किया कोरोना वायरस का सफाया

नई दिल्ली। भारत बायोटेक की कोरोना वायरस वैक्सीन 'कोवैक्सिन' जानवरों पर ट्रायल में सफल रही है। कंपनी ने शुक्रवार को ऐलान किया कि Cova&in ने बंदरों में वायरस के प्रति ऐंटीबॉडीज विकसित की। यानी लैब के अलावा जीवित शरीर में भी यह वैक्सीन कारगर है, यह साबित हो गया है। कंपनी ने कहा कि बंदरों पर स्टडी के नतीजों से वैक्सीन की इम्युनोजीनिसिटी (प्रतिरक्षाजनकता) का पता चलता है। भारत बायोटेक ने खास तरह के बंदरों को वैक्सीन की डोज दी थी। इस वैक्सीन का भारत में अलग-अलग जगहों पर फेज 1 क्लिनिकल ट्रायल पूरा हो चुका है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने इसी महीने भारत बायोटेक को फेज 2 ट्रायल की अनुमति दी है।

भारत बायोटेक ने 20 बंदरों को चार समूहों पर बांटकर रिसर्च किया। एक ग्रुप को प्लेसीबो दिया गया जबकि बाकी तीन ग्रुप्स को तीन अलग-अगल तरह की वैक्सीन पहले और 14 दिन के बाद दी गई। दूसरी डोज देने के बाद, सभी बंदरों को SARS-CoV-2 से एक्सपोज कराया गया। वैक?सीन की पहली डोज दिए जाने के तीसरे हफ्ते से बंदरों में कोविड के प्रति रेस्पांस डेवलप होना शुरू हो गया था। वैक्सीन पाने वाले किसी भी बंदर में

निमोनिया के लक्षण नहीं मिले।

कोरोना के स्ट्रेन से ही बनी है यह वैक्सीन

ICMR-भारत बायोटेक की Cova&in एक 'इनऐक्टिवेटेड' वैक्सीन है। यह उन कोरोना वायरस के पार्टिकल्स से बनी है जिन्हें मार दिया गया था ताकि वे इन्फेक्ट न कर पाएं। कोविड का यह स्ट्रेन पुणे की NIV लैब में आइसोलेट किया गया था। इसकी डोज से शरीर में वायरस के खिलाफ ऐंटीबॉडीज बनती हैं।

15 जुलाई से शुरू हुआ था ट्रायल

भारत में बनी पहली कोरोना वैक्सीन Cova&in का फेज 1 ट्रायल 15 जुलाई 2020 से शुरू हुआ था। देशभर में 17 लोकेशंस पर फेज 1 ट्रायल हुए। Cova&in ट्रायल की सारी डिटेल्स ICMR को भेजी जाएंगी। वहीं पर डेटा को एनलाइज किया जा रहा है।

फेज 2 ट्रायल की हो गई शुरुआत-दिल्ली स्थित एम्स में कोवैक्सिन का फेज 2 ट्रायल शुरू हो गया है। रेवाड़ी के गावं खरखड़ा निवासी प्रकाश यादव को वैक्सीन की पहली डोज दी गई। उन्हें 0.5ml की डोज देने के बाद दो घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा गया। डॉक्टर अगले 7 दिन तक उनके टच में रहेंगे। 28 दिन बाद प्रकाश को दूसरी डोज दी जाएगी।

वैक्सीन लॉन्च होने में कितना वक्त?

भारत में कम से कम सात कंपनियां- Bharat Biotech, Zydus Cadila, Serum Institute, Mynva& Panacea Biotec, Indian Immunologicals और Biological E कोरोना वायरस की अलग-अलग वैक्सीन पर काम कर रही हैं। सीरम इंस्टिट्यूट ने ऑक्सफर्ड वैक्सीन का ट्रायल रोक दिया है जबकि बाकी जारी हैं। आमतौर पर वैक्सीन डेवलप करने में सालों लगते हैं मगर कोरोना के चलते दुनियाभर के रिसर्चर्स ने युद्धस्तर पर काम किया है। कोवैक्सिन के फेज 1 ट्रायल डेटा को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के सामने रखना होगा। वहां से फेज 2 ट्रायल की परमिशन मिलेगी जिसमें 750 पार्टिसिपेंट्स होंगे। तीसरी स्टेज में हजारों वालंटियर्स शामिल होंगे। भारत बायोटेक को उम्मीद है कि उसकी वैक्सीन अगले साल की पहली तिमाही तक उपलब्ध हो जाएगी।

भारतीयों के मनोबल के आगे हार रहा कोरोना! तीन-चौथाई से अधिक कोविड मरीज हुए ठीक, जानें कितने बचे एक्टिव केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की रफ्तार काफी तेज गति से बढ़ रही है। अब हर दिन औसतन करीब नब्बे हजार से अधिक कोरोना केस सामने आ रहे हैं और मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। मगर कोरोना के भयावह होते हालात के बीच राहत की खबर यह भी है कि कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारत में कोरोना वायरस के तीन-चौथाई से अधिक मामलों में या तो मरीज ठीक हो गए हैं या फिर उन्हें छुट्टी दे दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एक तस्वीर साझा की, जिसमें देश में ठीक होने वालों कोरोना मरीजों की संख्या 77.65 फीसदी है, जबकि कोरोना के एक्टिव केस 20.7 फीसदी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ट्वीट में आगे यह भी कहा गया है कि कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों का प्रतिशत और सक्रिय मामलों के प्रतिशत में जो अंतर है, वो तेजी से बढ़ रहा है। करीब 36 लाख से अधिक मरीज (तीन चौथाई) कोरोना को मात देकर रिकवर हो चुके हैं। देश में सक्रिय मामलों को केवल 'छोटा हिस्सा' कहा जाता है, जो कि स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कुल मामलों के एक-चौथाई से भी कम है। सितंबर में और बेकाबू हुई कोरोना की रफ्तार, देश में 24 घंटे में कोरोना के रिकॉर्ड 97,570 नए केस, 1,201 मौतें एक और ट्वीट में कहा गया है कि केंद्र सरकार की कोविड प्रबंध नीतियां व्यापक, आसान और आक्रामक परीक्षणों से जल्दी कोरोना मरीजों का पता लगाने पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। इसके अलावा केंद्र का ध्यान अस्पतालों में गुणवत्ता और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने पर है और होम आइसोलेशन की निगरान करना है और मृत्यु दर को कम करना है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 97,570 नए केस सामने आए हैं और कोविड-19 से 1201 लोगों की मौतें हुई हैं। फिलहाल भारत में कोरोना वायरस के मामलों की कुल संख्या 46,59,985 है, जिनमें 9,58,316 एक्टिव केस है

पीएम मोदी ने 1.75 लाख लोगों का कराया 'गृह प्रवेश', बोले- आज कोरोना न होता तो आपके पास होता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मध्य प्रदेश में 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के तहत बने 1.75 लाख घरों का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। इस 'गृह प्रवेश' कार्यक्रम में उन लोगों ने हिस्सा लिया, जिन्हें 'प्रधानमंत्री आवास योजना' (पीएमएवाई) के तहत घर बनाने के लिए मदद दी गई है। पीएम मोदी ने कहा कि आज पौने दो लाख ऐसे परिवार हैं, जिन्हें उनके सपनों का घर मिलने जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि अभी ऐसे साथियों से मेरी चर्चा हुई, जिनको आज अपना पक्का घर मिला है, अपने सपनों का घर मिला है। अब मध्य प्रदेश के पौने

2 लाख ऐसे परिवार, जो आज अपने घर में प्रवेश कर रहे हैं, जिनका गृह-प्रवेश हो रहा है, उनको भी मैं बहुत बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। इस बार आप सभी की दीवाली, आप सभी के त्योहारों की खुशियां कुछ और ही होंगी। कोरोना काल नहीं होता तो आज आपके जीवन की इतनी बड़ी खुशी में शामिल होने के लिए, आपके घर का एक सदस्य, आपका प्रधानसेवक आपके बीच होता। उन्होंने आगे कहा कि आज का ये दिन करोडों देशवासियों के उस विश्वास को भी मज़बूत करता है कि सही नीयत से बनाई गई सरकारी योजनाएं साकार भी होती हैं और उनके लाभार्थियों तक पहुंचती भी हैं। जिन साथियों को आज अपना घर मिला है, उनके भीतर के संतोष, उनके आत्मविश्वास को मैं अनुभव कर सकता हूं।

अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने 8 सितंबर को ऑनलाइन संचयी राशि 102 करोड़ रुपये हस्तांतरित की थी, जो 68,000 लाभार्थियों को गृह वित्त की चौथी और अंतिम किस्त थी। चौहान ने कहा था कि कुल 20.30 लाख घरों में से 17 लाख घरों को पीएमएवाई के ग्रामीण घटक के तहत पूरा किया गया है, और 2019-20 के लिए छह लाख घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा गया था, जिनमें से 3.45 लाख पूर्ण हो चुके हैं।

GDP में 24 फीसदी गिरावट, 12 करोड़ नौकरियां गईं, कोरोना से मौतें लेकिन सरकार के लिए 'सब चंगा सी'- राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर फिर से हमला बोला है। राहुल गांधी ने कोरोना महामारी से निपटने की तैयारी और जीडीपी को लेकर मोदी सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों, अर्थव्यवस्था में तेज गिरावट और रोजगार के मुद्दे को लेकर सरकार से सवाल किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार की कोरोना वायरस के खिलाफ 'सुनियोजित लड़ाई' ने भारत को रसातल में ढकेल दिया है। राहुल गांधी ने शनिवार को अपने ट्वीट में लिखा, 'कोविड के खिलाफ मोदी सरकार की 'सुनियोजित लड़ाई' ने भारत को रसातल में पहुंचा दिया है। जीडीपी में ऐतिहासिक 24 प्रतिशत की गिरावट, 12 करोड़ नौकरियां चली गईं, 15.5 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंसा कर्ज,

दुनिया भर में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले और मौतें। लेकिन भारत सरकार और मीडिया के लिए 'सब चंगा सी।'

रक्षा मामलों की स्थायी समिति की बैठक में बोले राहुल गांधी-इससे एक दिन पहले राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर चीन मामले को घेरा था। राहुल ने ट्वीट किया था, 'चीन के साथ सिर्फ और सिर्फ मार्च 2020 से पहले की यथास्थिति की बहाली पर बातचीत होनी चाहिए। प्रधानमंत्री और भारत सरकार हमारी जमीन से चीन को बाहर खदेड़ने की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर रहे हैं। बाकी सारी बातचीत तो बेकार है।'

'महिलाओं की रक्षा के लिए कोर्ट को भगवान श्रीकृष्ण की तरह काम करना चाहिए'

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कहा है कि अदालतों को महिलाओं की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण की तरह काम करना चाहिए. न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और न्यायमूर्ति ई एस इंद्रेश की पीठ ने 2013 में 69 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के दोषी द्वारा दाखिल अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि अदालत पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाओं के खिलाफ होने वाले अन्याय पर मूकदर्शक बनी हुई नहीं रह सकती। पीठ ने कहा, 'समय आ गया है कि अदालत को अभिभावक की तरह काम करना चाहिए और महिलाओं की रक्षा करते हुए धर्म की रक्षा करनी चाहिए, जैसा कि देश के संविधान के अनुच्छेद 21 में कहा गया है और दुष्कर्मियों समेत सभी दोषियों के साथ कड़ाई से पेश आना चाहिए.' भगवद् गीता के दो श्लोकों का संदर्भ देते हुए पीठ ने आठ सितंबर के अपने आदेश में कहा कि महाभारत के भगवान श्रीकृष्ण ने जिस तरह धर्म की रक्षा की, अदालत को उसी तरह काम करना चाहिए। पीठ दोषी की अपील पर सुनवाई कर रही थी. उसने दक्षिण कन्नड़ की एक जिला अदालत द्वारा 14 नवंबर 2014 को सुनाए गए फैसले को चुनौती दी थी. याचिकाकर्ता को महिला से दुष्कर्म करने और 55,000 रुपये लूटपाट करने का दोषी ठहराया गया था। दोषी के वकील ने जिला अदालत के फैसले को

▸▸ अदालत को अभिभावक की तरह काम करना चाहिए और महिलाओं की रक्षा करते हुए धर्म की रक्षा करनी चाहिए, जैसा कि देश के संविधान के अनुच्छेद 21 में कहा गया है और दुष्कर्मियों समेत सभी दोषियों के साथ कड़ाई से पेश आना चाहिए.'

यह कहते हुए खारिज करने का अनुरोध किया कि अपराध में उसकी संलिप्तता को लेकर सबूत नहीं हैं. लेकिन पीठ ने निचली अदालत द्वारा सुनायी गयी सात साल की कठोर सजा को बरकरार रखा और उसकी अपील खारिज कर दी।

यूपी कांग्रेस के ब्राह्मण चेहरों को मिली पार्टी की राष्ट्रीय राजनीति में जगह

लखनऊ। यूपी की सियासत में ब्राह्मणों के नाम पर हो रही राजनीति के बीच कांग्रेस ने यूपी के ब्राह्मण चेहरों का कद बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर संगठन में हुए बदलाव में लम्बे समय बाद प्रदेश के सात नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर शामिल किया है और इनमें चार ब्राह्मण नेता शामिल हैं। वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी, राजीव शुक्ला, जितिन प्रसाद, राजेश मिश्र के अलावा पीएल पुनिया, आरपीएन सिंह और विवेक बंसल को जगह दी गई है। संगठन की फेरबदल में महासचिव प्रियंका गांधी को यूपी का प्रभार फिर से दिया गया है। राजेश मिश्र को केन्द्रीय चुनाव समिति में जगह दी गई है। इससे पहले 2012 में राम नरेश यादव

इसके सदस्य थे। लंबे समय बाद यूपी के किसी नेता को इस समिति में जगह मिली है। वहीं पूर्व मंत्री जितिन प्रसाद को पश्चिमी बंगाल और अंडमान निकोबार का प्रभारी बना कर उनका कद बढ़ाया गया है। पश्चिमी बंगाल में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पिछले वर्ष से ब्राह्मणों को कांग्रेस के पाले में करने के लिए जितिन प्रसाद ने ब्राह्मण चेतना यात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद से वह चर्चा में बने रहे। अब कांग्रेस ने उन्हें प्रभारी बना कर उनके कद को बढ़ा दिया है। वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और अलीगढ़ के विवेक बंसल को भी कार्यसमिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा राज्यसभा सांसद पीएल पुनिया और पूर्व मंत्री आरपीएन सिंह पहले की तरह छत्तीसगढ़ और झारखण्ड के प्रभारी बने रहेंगे। पुनिया और आरपीएन के नेतृत्व में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ और झारखण्ड का चुनाव लड़ा था। राजीव शुक्ला को हिमाचल प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस लगातार अपने संगठन में बदलाव कर रही है और यूपी में विधानसभा चुनाव व पंचायत चुनाव के मद्देनजर नई कमेटियों का गठन कर रही है। इसके साथ ही यूपी कांग्रेस कमेटी में कई नए नामों को शामिल किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अब रुके मनमानी

एंबुलेंस सेवा की दरें तय करने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की जितनी सराहना की जाए, कम होगी। कोरोना मरीजों को अस्पताल पहुंचाते हुए जिस तरह से लूटा जा रहा है, उस पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा चिंता का इजहार सराहनीय ही नहीं, स्वागतयोग्य भी है। अनेक भुक्तभोगी हैं, जिनकी आवाज कहीं कोई नहीं सुन रहा था। बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग हालात से मजबूर थे और उन्होंने बहुत मुश्किल के साथ अस्पताल व जांच केंद्रों तक का सफर तय किया। अब लोगों को इस फैसले से यथोचित राहत का एहसास होगा। अदालत ने कहा है कि हम निर्देश देते हैं, राज्य सरकारें उचित शुल्क तय करें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के पक्ष को मजबूत करते हुए कहा है कि राज्य महामारी से निपटने के लिए केंद्र की ओर से जारी की गई 'एडवाइजरी' से बंधे हुए हैं और सभी राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोविड रोगियों को अस्पताल ले जाने के लिए प्रत्येक जिले में पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस उपलब्ध हों। एंबुलेंस की उपलब्धता के साथ ही उनकी सेवा दरों को भी निर्धारित किया जाए, ताकि किसी भी मरीज से मनमानी वसूली न हो सके। यह केवल एंबुलेंस सेवा या उसकी दरों से जुड़ा मामला नहीं है। कोरोना के समय में केंद्र सरकार की ओर से अनेक विशेषज्ञ दिशा-निर्देश जारी हुए हैं, लेकिन उनकी अवहेलना हम साफ तौर पर देख रहे हैं। हर राज्य सरकार अपने ढंग से जूझ रही है। कुछ राज्यों ने अच्छा प्रदर्शन किया है, तो वहीं ज्यादातर राज्यों में चिकित्सा व्यवस्था की कलई खुल गई है। कोरोना जांच के मानकों में भी मनमानी हुई है। सैनेटाइजर और मास्क तक में मनमानी हुई है। ऐसी महामारी के दौर में भी छोटे-छोटे सुरक्षा सामान को भी ऊंचे दामों पर बेचकर खूब कमाई करने वाले कम नहीं हैं, उन्हें लगता है कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। जरूरतमंदों की परेशानी और चिंता का बहुत फायदा उठाया गया है। क्या राज्य सरकारें एंबुलेंस सेवा की दरें खुद ही तय नहीं कर सकती थीं, इस काम के लिए सुप्रीम कोर्ट से निर्देश लेने की क्या जरूरत थी? और जब निर्देश आ गए हैं, तो राज्य सरकारें कितनी मुस्तैदी से दरें तय करेंगी और किस हद तक इन दरों को लागू किया जा सकेगा? बेशक, फटकार सुनकर दरें तय कर देना और लोगों को दिखा देना ही पर्याप्त नहीं है। इन दरों को कड़ाई से लागू करना भी जरूरी है। यह कोई छिपी बात नहीं कि सरकारी एंबुलेंस सेवा अपने देश में कभी भी पर्याप्त नहीं रही, जिसकी वजह से लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत पड़ती है। अनेक निजी सेवा संस्थान बहुत मामूली दर पर या मुफ्त सेवा उपलब्ध कराते हैं, जबकि ऐसे अनेक व्यापारी हैं, जो एंबुलेंस सेवा से भी कमाई की बेशर्म राह निकाल लेते हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने माना है कि सरकार ने मार्च में ही दिशा-निर्देश जारी कर दिए थे, हालांकि, शुल्क निर्धारण की कोई बात उसमें नहीं थी। वाकई, राज्य सरकारों ने भी अपने स्तर पर जिला प्रशासन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए होंगे, लेकिन उसमें भी शुल्क निर्धारण की बात नहीं होगी। यह परिपाटी नई नहीं है, हमारी चिकित्सा व्यवस्था में कमाई करने वालों के लिए असीम गुंजाइश यूं ही छोड़ दी जाती है। कोरोना महामारी के दौर में हमें चिकित्सा क्षेत्र में कमाई की तमाम अमानवीय गुंजाइशों को हर स्तर पर खत्म कर देना चाहिए।

आज के ट्वीट

संकल्प

जब गरीब की, गांव की आय और आत्मविश्वास बढ़ता है तो आत्मनिर्भर भारत बनाने का हमारा संकल्प भी मजबूत होता है। इस आत्मविश्वास को मजबूत करने के लिए गांव में हर प्रकार का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। -- पीएम नरेन्द्र मोदी

चांद पर जंग लगा रही है पृथ्वी

मुकुल व्यास

चांद का रंग लाल हो रहा है और शायद इसकी वजह हमारी पृथ्वी है। एक नई रिसर्च से पता चला है कि हमारे वायुमंडल के कारण चांद को जंग लग रही है। जंग अथवा आयरन ऑक्साइड एक लाल रंग का यौगिक है। पानी और ऑक्सीजन से लोहे के संपर्क में आने पर यह यौगिक बनता है। कीलों पर जंग इसी रासायनिक क्रिया से लगती है और जंग के कारण ही मंगल का रंग लाल है। इसी वजह से मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है। पेसाडेना, कैलिफोर्निया स्थित नासा की जेट प्रोपल्सन लेबोरेट्री के अनुसार मंगल का लाल रंग बहुत पहले सतह पर मौजूद लौह खनिज के पानी और ऑक्सीजन के संपर्क में आने से उत्पन्न हुआ था। लेकिन अंतरिक्ष में समस्त वातावरण जंग उत्पन्न करने के लिए उपयुक्त नहीं है। खासकर चांद का वायुमंडल रहित शुष्क माहौल इसके लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई के रिसर्चर और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक शुआई ली का कहना है कि चांद पर लाल रंग का दिखना आश्चर्यजनक है क्योंकि वहां के विषम वातावरण में जंग का निर्माण असंभव है। ली ने %जेपीएल मिनरोलॉजी मैपर% द्वारा एकत्र आंकड़ों का अध्ययन किया था। यह उपकरण 2008 में भारत के चंद्रयान-1 ऑर्बिटर के साथ भेजा गया था। ली ने एक खास बात यह नोट की कि चांद के ध्रुवों की संरचना उसके शेष भागों से बहुत भिन्न है। अपने मिशन के दौरान जेपीएल मिनरोलॉजी मैपर ने चंद्रमा की सतह की संरचना के विश्लेषण के लिए सतह से परावर्तित प्रकाश की वेव लेंथ पर गौर किया। जब ली ने चंद्रमा के ध्रुवों पर ध्यान केंद्रित किया तब उन्हें पता चला कि ध्रुवों पर लोहा युक्त चट्टानें हैं जो हेमेटाइट खनिज से मिलती-जुलती हैं। हेमेटाइट पृथ्वी की सतह पर सामान्य रूप से पाया जाता है। यह एक विशिष्ट किस्म की आयरन ऑक्साइड है। रिसर्चरों को पहले चंद्रमा पर इसकी उपस्थिति पर यकीन नहीं हुआ क्योंकि वहां की परिस्थितियों को देख कर वहां इसका अस्तित्व नहीं हो सकता। लेकिन चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी का पता लगने के बाद लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए थे कि वहां विविध किस्म के खनिज हो सकते हैं जो चट्टानों के साथ पानी की क्रिया से बने होंगे। वैज्ञानिक चंद्रमा पर जंग की उपस्थिति की असली वजह ढूंढ रहे हैं। चंद्रमा पर वायुमंडल नहीं है लेकिन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र की वजह से वहां ऑक्सीजन आंशिक मात्रा में मौजूद हैं। ऑक्सीजन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र पर सवार होकर चंद्रमा तक पहुंच सकती है। शायद यही वजह है कि चांद पर हेमेटाइट की मात्रा उस हिस्से में ज्यादा है जो पृथ्वी के सम्मुख है। रिसर्चरों का एक अनुमान यह भी है कि धूल कणों की बमबारी से चांद की सतह में कैद पानी के मॉलिक्यूल मुक्त हो जाते होंगे और इससे पानी को लोहे के साथ क्रिया करने का मौका मिलता होगा। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में दावा किया गया है कि हमारा सूरज अकेला नहीं था। उसका एक जुड़वां भाई भी था। हार्वर्ड में सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स के खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि हमारे सौरमंडल के गठन के समय दो सूरज थे। बाद में दूसरा सूरज खिसक कर कहीं और चला गया। सौरमंडल में आज कई चीजें बहुत ही विचित्र हैं और उन्हें अभी ठीक से समझा नहीं जा सका है। इनमें ओर्ट क्लाउड और बहुचर्चित नौवें ग्रह का उल्लेख खासतौर से किया जा सकता है। खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि सौरमंडल की इन विचित्र चीजों का संबंध कहीं न कहीं भटके हुए सूरज से है। खगोल वैज्ञानिकों को भलीभांति मालूम है कि हमारे ब्रह्मांड में कई तारों वाले सौरमंडलों की उपस्थिति सामान्य बात है। ठीक हमारे पड़ोस में सेंटॉरी सौरमंडल है। इस सौरमंडल में तीन तारे हैं। एवी लोब और आमिर सिराज ने अपने एक नए पेपर में कहा है कि सूरज का गुमशुदा भाई हमारे बाहरी सौरमंडल में होने वाली अजीबोगरीब घटनाओं पर रोशनी डाल सकता है। खासकर हम यह पता लगा सकते हैं कि ओर्ट क्लाउड इतना भारी भरकम क्यों है। ओर्ट क्लाउड हमारे सौरमंडल के बाहरी छोर पर स्थित है। यह स्थान नेप्चून और प्लूटो से आगे है। यह सबसे दूरवर्ती काइपर बेल्ट ऑब्जेक्ट्स से भी आगे है। काइपर बेल्ट का आकार छल्ले जैसा है जबकि ओर्ट क्लाउड अंतरिक्ष का एक गोलाकार क्षेत्र है, जिसमें बर्फीले पिंडों की भरमार है जो प्रारंभिक मूल पदार्थों से बने हैं। इनमें धूमकेतु भी शामिल हैं जो कभी भी सौरमंडल के अंदरूनी हिस्सों में दाखिल नहीं होते। अभी तक सौरमंडल के गठन का कोई भी मॉडल ओर्ट क्लाउड के आयतन को नहीं समझा पाया है लेकिन यदि हम इस तस्वीर में दूसरे सूरज को भी शामिल करें तो चीजें समझ में आने लगती हैं। नए अध्ययन में खगोल वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि एक मॉलिक्युलर क्लाउड से हमारे सूरज के साथ एक दूसरे तारे का भी जन्म हुआ था। मॉलिक्युलर क्लाउड को तारों की नर्सरी भी कहा जाता है। यह एक खास श्रेणी का अंतर-नक्षत्रीय बादल है, जिसके घनत्व और आकार से मॉलिक्यूल्स की उत्पत्ति सुगम हो जाती है। इनमें मॉलिक्युलर हाइड्रोजन सबसे ज्यादा होती है। खगोल वैज्ञानिकों का कहना है कि जन्म के बाद दोनों सूरज एक-दूसरे के साथ गुरुत्वाकर्षण बंधन में जकड़े हुए थे। यदि हमारे सौरमंडल में दूसरे सूरज का द्रव्यमान हमारे सूरज जितना ही था तो उसने ओर्ट क्लाउड को मोटा ताजा करने में मदद की होगी। खगोल वैज्ञानिकों के अनुसार मॉलिक्युलर क्लाउड से जन्म लेने के बाद तारों का भटकना सामान्य है। अपनी नर्सरी में दूसरे तारों के साथ गुरुत्वाकर्षण अंतर-क्रिया के कारण ये तारे विचरने लगते हैं। अतः हमारे सौरमंडल का अतिरिक्त तारा अरबों वर्ष ओर्ट क्लाउड का सामान जुटाने के बाद दूर निकल कर आकाश गंगा के किसी कोने में सूरज जैसा तारा बन गया। नौवें ग्रह की गुत्थी को भी लापता सूरज से सुलझाया जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

परमात्मा से पुकार

श्रीराम शर्मा आचार्य/ आत्मा ने परमात्मा से याचना की 'असतो मा समय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतंगमय'। यह तीनों ही पुकारें ऐसी हैं, जिन्हें द्रौपदी और गज की पुकार के समतुल्य समझा जा सकता है। निर्वस्त्र होते समय द्रौपदी ने अपने को असहाय पाकर भगवान को पुकारा था। गज जब ग्राह के मुख में फंसता ही चला गया, पराक्रम काम न आया, जब जौ भर सूंड़ जल से बाहर रह गई, तो उसने भी गुहार मचाई। दोनों को ही समय रहते सहारा मिला। एक की लाज बच गई, दूसरे के प्राण बच गए। जीवात्मा की तात्त्विक स्थिति भी ऐसी ही है। उसका संकट इनसे किसी भी प्रकार कम नहीं है। प्रश्न उठता है कि इस स्थिति का कारण क्या है? जब इस प्रश्न पर विचार किया जाता है, तब पता चलता है कि जो असत्य था, अस्थिर था, नाशवान था, जाने वाला था, उसे चाहा गया, उसे पकड़ा गया। जो स्थिर, शात, सनातन, सत-चित आनन्द से ओत-प्रोत था, उसकी उपेक्षा की गई। फलस्वरूप भीतर और बाहर से सब प्रकार से सम्पन्न होते हुए भी अभावग्रस्तों की तरह, दीन-हीन की तरह, अभागी जिन्दगी जियी गई। सत स्थिर आत्मा है। गुण कर्म स्वभाव में सन्निहित मानवीय गरिमा ही सत है। जो सत को पकड़ता है,अपनाता है और धारण करता है, उसका आनन्द सुरक्षित रहता है। भीतर से उभरी गरिमा बाह्य जीवन को भी उल्लसित, विकसित विभूतिवान बना देती है। चिन्तन, चरित्र और व्यवहार में ऐसी शालीनता भर देती है, जिसका प्रतिफल दसों दिशाओं में अमृत तुल्य अनुदान बरसता है। 'असतो मा समय'। उसे सत की उपलब्धि हो। असत की ओर आंखें मूंदकर दौड़ने की प्रवृत्ति रुके। शान्ति का सरोवर सामने रहते हुए भी सड़न भरे दल-दल में घुस पड़ने और चीखने-चिल्लाने की आदत पर अंकुश लगे। अपने अंतराल से ही आनन्द का ऐसा निर्झर बहे, जो अपने को गौरव प्रदान करे और दूसरों की हित साधना करते हुए धन्य बने। आत्मा की दूसरी पुकार है- 'तमसो मां ज्योतिर्गमय'। हे सर्वशक्तिमान! हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चल। जो क्रम अपनाया गया है, वह अंधकार में भटकने के समान है। रात के अंधियारे में कुछ पता नहीं चलता कि किस दिशा में चल रहे हैं। यथार्थता का बोध नहीं होने से ठोकर खाते और कांटों की चुभन से मर्माहत होते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

यादों के बंद दरवाजों से उभरता अक्स

कृष्ण प्रताप सिंह

सत्ताधीशों के अंतःपुरों में, और कई बार उनके बाहर भी, उनके बेटे-बहुओं, बेटियों और दामादों आदि को लेकर बनती व चलती या बनाई और चलाई जाती रहने वाली कहानियों से हम सभी वाकिफ हैं। लेकिन देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के दामाद फिरोज गांधी इन सारी कहानियों के विलोम थे। साफ कहें तो अपनों व गैरों दोनों द्वारा उन्हें और उनकी देशसेवा को सिरे से भुला दिये जाने का राज भी उनके इस विलोम होने में ही है। अपने जीते जी फिरोज ने न खुद को किसी कुल, गोत्र, वंश या पार्टी के खांचे में फिट किया, न ही उनकी राजनीति की। उनके द्वारा कुल, गोत्र, वंश और पार्टी के सर्वथा नकार का नतीजा यह हुआ कि उनके संसार से जाते ही इन सबने उनके प्रति गाढ़ा अपरिचय ओढ़कर उनकी यादों के लिए अपने दरवाजे बन्द कर लिये। स्वतंत्रता के बाद फिरोज रायबरेली के पहले सांसद चुने गये तो उनके ससुर प्रधानमंत्री थे। उनके निधन के बाद उनकी पत्नी श्रीमती इन्दिरा गांधी और बेटे राजीव गांधी ने भी प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया। दूसरे रास्ते से फिरोज की दूसरी बहू मेनका भी केन्द्र में मंत्री पद तक पहुंचीं और दूसरे पोते वरुण भी सांसद बने। उनकी एकमात्र पोती प्रियंका को कांग्रेस की सबसे बड़ी स्टार प्रचारक माना जाता है। लेकिन इनमें से कोई भी फिरोज को उस तरह अपने वंश या परंपरा का हिस्सा नहीं बताता, जिस तरह इन्दिरा और नेहरू को। बहरहाल, फिरोज जितने दिन सांसद रहे, अपने प्रधानमंत्री ससुर को नाकों चने चबवाते रहे। 1950 में प्राविंसियल पार्लियामेंट के सदस्य बनने के बाद फिरोज 1952 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित हुए तो उनकी पत्नी श्रीमती इंदिरा गांधी दूसरे कहीं ज्यादा आवश्यक कार्यभार छोड़कर उनके प्रचार अभियान की कमान संभालने आयीं। लेकिन अभी वे पति की जीत की खुशी भी नहीं मना पाई थीं कि उन्हें अहसास होने लगा कि सांसद फिरोज उनके पिता जवाहरलाल नेहरू और उनकी सरकार के दुश्मन हो गये हैं। इसे लेकर उनके दाम्पत्य जीवन में खटास भी आयी, लेकिन फिरोज ने निजी सुख के लिए अपने राजनीतिक नजरिये से समझौता करना स्वीकार नहीं किया और अपने ससुर की जिन नीतियों से असहमत थे, उनके मुखर आलोचक बने रहे। सांसद के रूप में उन्होंने देखा कि आजादी मिलने के कुछ ही वर्षों में देश के कई औद्योगिक घराने उच्च पदस्थ कांग्रेसी नेताओं व मंत्रियों की नाक के बाल हो गये हैं और उसकी आड़ में अनेक वित्तीय अनियमितताएं कर रहे हैं तो लोकसभा में उन्होंने अपनी ही पार्टी की सरकार को घेरने में कोई कोताही नहीं बरती। 1955 में उन्होंने एक बैंक व बीमा कम्पनी के चेयरमैन रामकृष्ण डालमिया का बहुचर्चित मामला न सिर्फ उठाया, बल्कि उनके द्वारा निजी लाभ के लिए की जा रही वित्तीय हेराफेरी की पोल भी खोली। फिर तो डालमिया को कई महीने जेल में रहना पड़ा और अगले ही साल 245 जीवन बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इस तरह फिरोज को राष्ट्रीयकरण की प्रक्रिया शुरू कराने का श्रेय दिया जा सकता है। 1957 में दोबारा सांसद चुने जाने के बाद भी उन्होंने पंडित नेहरू को घेरना जारी रखा। लेकिन अपनी सास कमला नेहरू का जीवन बचाने के लिए हर मुमकिन प्रयास किया। तब, जब वे क्षय रोग से पीड़ित थीं और जीवन व मृत्यु के बीच झूल रही थी। 28 फरवरी, 1936 को कमला नेहरू ने दम तोड़ा तो फिरोज उनके सिरहाने बैठे थे। 1958 में फिरोज गांधी ने सरकार नियंत्रित बीमा कंपनी एलआईसी को लपेटे में लेते हुए हरिदास मूंदड़ा घोटाले का पर्दाफाश किया, जिसे स्वतंत्र भारत का पहला घोटाला माना जाता है। इससे नैतिकता के ऊंचे आदर्शों का दावा करने वाले नेहरू और उनकी सरकार की पाक-साफ छवि को तो बट्टा लगा ही, उच्च न्यायालय के एक रिटायर्ड जज के नेतृत्व में गठित आयोग द्वारा की गई जांच में आरोप सच साबित हुए और वित्तमंत्री टीटी कृष्णमाचारी को इस्तीफा देने पर मजबूर होना पड़ा। प्रसंगवश, फिरोज गांधी इंडियन आयल कारपोरेशन के पहले चेयरमैन थे, साथ ही कांग्रेस द्वारा लखनऊ से प्रकाशित 'नेशनल हेराल्ड' और 'नवजीवन' नाम के अखबारों के प्रबन्ध निदेशक भी। उन्होंने केन्द्र सरकार से टाटा इंजीनियरिंग एंड लोकोमोटिव कंपनी के राष्ट्रीयकरण की मांग भी की थी, क्योंकि उनकी जानकारी के अनुसार टाटा कम्पनी जापानी सरकार से रेल इंजनों के ज्यादा दाम वसूल रही थी। कहते हैं कि अपने आखिरी दिनों में फिरोज बेहद अकेले पड़ गए थे। आठ सितम्बर, 1960 को दिल के दौरे से अंतिम सांस लेने से थोड़े ही दिनों पहले उन्होंने अपने चुनाव क्षेत्र में एक कालेज की स्थापना के लिए निजी प्रयासों में जुटाये गये सवा लाख रुपये दिये थे। फिरोज का जन्म 12 सितंबर, 1912 को मुंबई (तब बंबई) के एक पारसी परिवार में हुआ था, जो गुजरात से वहां आया था, लेकिन उनका बचपन उनकी बुआ के इलाहाबाद स्थित घर में बीता।

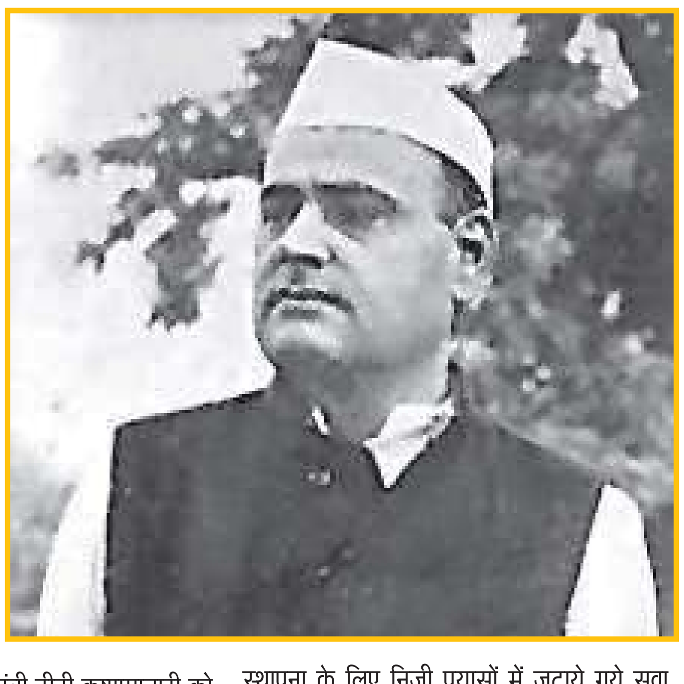

वहां 1930 में उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी और आजादी के आंदोलन में शामिल हो गए। मार्च, 1942 में पंडित जवाहरलाल नेहरू की मर्जी के खिलाफ उनकी और इंदिरा गांधी की शादी हुई तो कुछ ही महीनों बाद अगस्त, 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान उनको सपत्नीक जेल भेज दिया गया। तब फिरोज को साल भर नैनी केन्द्रीय कारागार में भी रहना पड़ा था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना का असर: ग्लोबल इकॉनमी के लिए बुरी खबर, अमेरिका का बजट घाटा रिकॉर्ड स्तर पर

वाशिंगटन: अमेरिका का बजट घाटा चालू बजट वर्ष के पहले 11 माह में 3,000 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है। वित्त विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिका सरकार को कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए बड़ी राशि खर्च करनी पड़ी है, जिससे असर बजट घाटे पर पड़ा है। महामारी की वजह से अमेरिका में लाखों नौकरियां चली गई हैं। चालू बजट वर्ष की अक्टूबर से अगस्त की 11 माह की अवधि में बजट घाटा 3,000 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पहले 11 माह की अवधि में बजट घाटे का रिकॉर्ड 2009 में बना था। उस समय बजट घाटा 1,370 अरब डॉलर रहा था। यह 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट का दौर था। मौजूदा बजट घाटा पिछले रिकॉर्ड से दोगुना से अधिक है। अमेरिका का 2020 का बजट वर्ष 30 सितंबर को समाप्त होना है। अमेरिकी कांग्रेस के बजट कार्यालय का अनुमान है कि पूरे बजट वर्ष में बजट घाटा 3,300 अरब डॉलर रहेगा।

टाटा और मिस्त्री समूह में फिर ठनी, टाटा समूह ने स्ष्ट में की अपील दायर

मुंबई: टाटा ग्रुप और मिस्त्री परिवार में एक बार फिर ठन गई है। मिस्त्री परिवार के शापोरजी पल्लोनजी (एसपी) समूह ने शुक्रवार को कहा कि उसकी शेयर गिरवी रखकर धन जुटाने की योजना को टाटा समूह रोकने का प्रयास कर रहा है। यह अल्पांश शेयरधारकों के अधिकारों का हनन और बदले की भावना से की जाने वाली कार्रवाई है। टाटा समूह ने मिस्त्री समूह को शेयरों को गिरवी रखने के प्रयास को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की है। शापोरजी पल्लोनजी समूह के पास टाटा संस की 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस ने मिस्त्री समूह को अपने टाटा संस के शेयरों से पूंजी जुटाने के प्रयास को रोकने के लिए 5 सितंबर को उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की है। इस याचिका के जरिए टाटा का प्रयास एसपी समूह को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से शेयर गिरवी रखने से रोकना है। एसपी समूह विभिन्न कोषों से 11,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रहा है। उसने कनाडा के एक चर्चित निवेशक से टाटा संस में अपनी 18.37 प्रतिशत हिस्सेदारी में से एक हिस्से के लिए पहले चरण में 3,750 करोड़ रुपए का करार किया है।

क्या है पूरा मामला

देश के सबसे बड़े कारोबारी घराने में शामिल एसपी समूह की हिस्सेदारी का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है। कनाडा के निवेशक के साथ एसपी समूह द्वारा पक्का करार किए जाने के एक दिन बाद टाटा संस ने यह कदम उठाया है। एसपी समूह के एक प्रवक्ता ने कहा कि टाटा संस की इस विद्वेषपूर्ण कार्रवाई का मकसद हमारी धन जुटाने की योजना में अड़चन पैदा करना है। इससे एसपी समूह की विभिन्न इकाइयों के 60,000 कर्मचारियों के साथ एक लाख प्रवासी मजदूर का भविष्य प्रभावित होगा। प्रवक्ता ने कहा कि इससे समूह को काफी नुकसान होगा। समूह उच्चतम न्यायालय के समक्ष टाटा के इस दावे को कड़ी चुनौती देगा।

HDFC बैंक की मार्च तक बैंक मित्रों की संख्या बढ़ाकर 25,000 करने की योजना

नई दिल्ली: ग्रामीण इलाकों में पहुंच बढ़ाने के प्रयास के तहत निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा एचडीएफसी बैंक अपने बैंक मित्रों की संख्या को इस वित्त वर्ष के अंत तक बढ़ाकर 25,000 करने की योजना बना रहा है। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अभी बैंक मित्रों (बैंकिंग कॉरस्पॉन्डेंट) की संख्या 11,000 है। एचडीएफसी बैंक की कंट्री प्रमुख सरकारी संस्थागत कारोबार एवं स्टार्टअप्स स्मिता भगत ने कहा, ''हम हमेशा सभी ग्राहकों, यहां तक कि देश के दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों को सर्वश्रेष्ठ बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। अपने इसी प्रयास के तहत हम इस वित्त वर्ष के अंत तक बैंक मित्रों की संख्या को 11,000 से बढ़ाकर 25,000 करेंगे। उन्होंने कहा कि ग्राहक को बैंक मित्रों के जरिए खाता खोलना, मियादी जमा, भुगतान उत्पाद और ऋण जैसी सभी बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि बैंक अपने बैंक मित्र नेटवर्क के विस्तार के लिए सरकार के साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के इस्तेमाल पर भी गौर कर रहा है।

कोरोना इफैक्ट: जुलाई में औद्योगिक उत्पादन 10.4% फीसदी तक गिरा

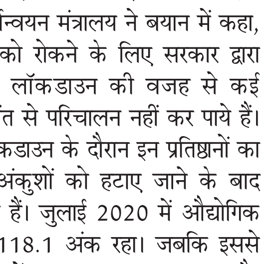

नई दिल्ली: विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्र के खराब प्रदर्शन की वजह से जुलाई माह में औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में 10.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 11.1 प्रतिशत की गिरावट रही। इसी तरह खनन क्षेत्र का उत्पादन 13 प्रतिशत तथा बिजली क्षेत्र का उत्पादन 2.5 प्रतिशत घटा। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा, ''कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों तथा देशभर में लॉकडाउन की वजह से कई औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान मार्च अंत से परिचालन नहीं कर पाये हैं। बयान में कहा गया है कि इससे लॉकडाउन के दौरान इन प्रतिष्ठानों का उत्पादन प्रभावित हुआ। बाद में अंकुशों को हटाए जाने के बाद औद्योगिक गतिविधियां शुरू हो रही हैं। जुलाई 2020 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) 118.1 अंक रहा। जबकि इससे पहले अप्रैल, मई और जून 2020 में यह क्रमश- 54, 89.5 और 108.9 अंक रहा था।

FCI के 1 लाख से ज्यादा मजदूर और कर्मचारियों को मार्च 2021 तक मिलेगा ₹35 लाख का कोरोना इंश्योरेंस

नई दिल्ली: केन्द्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान ने बड़ा ऐलान करते हुए एफसीआई के 80 हजार मजदूर सहित कुल 1,08714 कर्मचारियों को 35 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस देने की समय सीमा को आगे बढ़ा दिया है। रामविलास पासवान ने ट्विट करके बताया कि एफसीआई के कुल 1,08714 कर्मचारियों और अधिकारियों में किसी की कोरोना से मौत होने पर परिवार को मुआवजा देने के फैसले को FCI ने 24 सितंबर 2020 से 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। केन्द्रीय उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान ने कहा है कि सरकार इस संकटकाल में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को सेवा मुहैय्या करा रहे हमारे कोरोना वॉरियर्स को हर सुरक्षा मुहैय्या कराने के प्रति संकल्पित है। इसी के तहत यह फैसला किया गया है।

सभी को मिलेगा इंश्योरेंस

मंत्रालय की ओर से एक बयान में कहा गया कि फिलहाल एफसीआई के कर्मचारियों को आतंकवादी हमले, बम ब्लास्ट, भीड़ के हमले या अन्य प्राकृतिक आपदा में मौत होने पर उनके परिजनों को मुआवजे दिया जाता था लेकिन इसमें एफसीआई के नियमित और अनुबंधित मजदूर शामिल नहीं रहे हैं। सरकार ने कोरोना वायरस यानी कोविड-19 के संक्रमण के खतरे के बीच काम कर रहे सभी कर्मियों और मजदूरों को जीवन बीमा सुरक्षा मुहैया कराने का फैसला किया है। 24 मार्च 2021 तक एफसीआई इंडिया में ड्यूटी निभाते हुए COVID19 संक्रमण से मौत होने पर स्नष्ट्ठ के नियमित मजदूर के लिए-15 लाख, अनुबंधित मजदूर के लिए 10 लाख, कैटेगरी 1 के अधिकारी के लिए 35 लाख, कैटेगरी 2 के अधिकारी के लिए 30 लाख और कैटेगरी 3 व 4 के कर्मचारियों के परिजनों को 25-25 लाख मुआवजे की व्यवस्था की गई है।

पूर्णबंदी से अब तक इंडिगो की 50 हजार से अधिक उड़ानें

नई दिल्ली: किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मार्च में पूर्णबंदी लागू होने के बाद से 50 हजार से अधिक उड़ानें भरने की उपलब्धि हासिल कर ली है। इंडिगो ने शनिवार को बताया कि घरेलू मार्गों पर शुरू की गई नियमित यात्री उड़ानों के साथ ही चाटर्ड यात्री उड़ानों, चाटर्ड मालवहन उड़ानों, द्विपक्षीय समझौतों के तहत शुरू की गई उड़ानों और वंदे भारत मिशन की उड़ानों को मिलाकर आज उसकी उड़ानों की संख्या 50 हजार के पार पहुंच गई। यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह देश की पहली एयरलाइन है। यात्रियों की संख्या के लिहाज से इंडिगो देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी है। घरेलू मार्गों पर नियमित उड़ानों के यात्रियों की संख्या में उसकी हिस्सेदारी पूर्णबंदी से पहले 50 प्रतिशत से कुछ कम थी जो पूर्णबंदी के बाद जुलाई में बढ़कर 60 फीसदी को पार कर गई है। इंडिगो ने बताया कि आज सुबह दिल्ली से बिहार की राजधानी पटना के लिए रवाना हुई उड़ान संख्या 6ई 494 के साथ ही पूर्णबंदी के बाद की 50 हजार उड़ानों की उपलब्धि उसने हासिल कर ली। इस दौरान वह 47,865 घरेलू और 1,799 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में उसने पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और दक्षिण एशिया के देशों की उड़ान भरी है।

कोरोना काल में अब घर बैठे मिलेगी ई-पॉलिसी, IRDAI ने बीमा कंपनियों को दी इजाजत

बिजनेस डेस्क:

बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा **(IRDAI)** ने साधारण और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को अब पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी करने की अनुमति दे दी है। इरडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि भविष्य में बीमा पॉलिसी को इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी करने का ही नियम बन जाएगा। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के गैर-जीवन बीमा सदस्य टी एल अलामेलू ने उद्योग जगत के एक कार्यक्रम में कहा कि बीमा क्षेत्र में पॉलिसी धारकों और अन्य संबद्ध पक्षों के मामले में काफी कुछ किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'जहां तक नियामक की बात है, अभी काफी काम किए जाने हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि क्या किए जाने की आवश्यकता है, केवल पॉलिसी धारकों के लिए ही नहीं बल्कि बीमा क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों के मामले पर हम गौर कर रहे हैं। कुछ कदम जो हमने उठाए हैं वे स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र से जुड़े हैं।' अलामेलू ने उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा 'नेशनल ई-समिट हेल्थ इंश्योरेंस अंडर कोविड अटैक' को संबोधित करते हुए कहा, 'कल आप सभी ने देखा होगा कि अब हम

बीमा कंपनियों को प्रस्ताव के रूप में ई-पॉलिसी जारी करने की अनुमति दे रहे हैं। मेरा मानना है कि यह समय की जरूरत है। धीरे-धीरे इसमें मध्यवर्ती इकाइयों, एजेंटों और पॉलिसीधारकों के बीच दूर रहकर ही काम करने का माहौल बनेगा। हम जल्द से जल्द ऐसी प्रणाली अपनानी होगी जहां यह नया नियम बन जाएगा।' उन्होंने एजेंटों और अन्य को डिजिटल तरीके से काम करते हुए उसमें कार्टून, चित्रकारी आदि का इस्तेमाल करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीमा उत्पादों को अधिक आकर्षक बनाने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि इरडा तंदुरूस्ती, स्वास्थ्य को बीमा पॉलिसी पैकेज का एक हिस्सा बनाने पर गौर कर रही है। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और स्वास्थ्य बीमा को लेकर बढ़ती जागरूकता के बारे में उन्होंने कहा कि मार्च से जुलाई 2020 की अल्पावधि में ही घरेलू बीमा बाजार में 27 से 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

एप्पल ने खोला दुनिया का पहला पानी में तैरने वाला मोबाइल स्टोर

बिजनेस डेस्क:

आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी एप्पल ने गुरुवार को दुनिया का पहला फ्लोटिंग रिटेल मोबाइल स्टोर का उद्घाटन किया। यह स्टोर डोम (गुंबद) के आकार का है और पानी पर तैरता रहता है। एप्पल ने इसे 10 सितंबर से आम लोगों के लिए खोल दिया है। कंपनी के मुताबिक नए स्टोर का डिजाइन रोम के पैंथियॉन से इंसपायर्ड है। इसमें 150 कर्मचारी हैं, जो दुनियाभर के 23 भाषाओं में माहिर हैं। स्टोर सिंगापुर के एप्पल मरीना सैंड्स पर स्थित है। यह स्थान सिंगापुर के सबसे आइकोनिक स्थानों में से एक है। कंपनी का मानना है कि एपल के इन नए स्टोर में ग्राहकों को एक नया अनुभव मिलेगा। कांच बने इस स्टोर का स्ट्रक्चर पूरी तरह से सेल्फ सपोर्टेड है। नए एप्पल मरीना सैंड्स स्टोर के निर्माण में कांच के कुल 114 पीसेज का उपयोग किया गया है। स्ट्रक्चरल कनेक्शन के लिए इसमें सिर्फ 10 नैरो वर्टिकल मुलियंस का उपयोग किया गया है। पानी पर तैरते इस नए स्टोर का नजारा बेहद आकर्षक है। एप्पल के मुताबिक यह स्टोर रोम के पैंथियॉन से इंसपायर्ड है। एप्पल के नए स्टोर में लगे ग्लास का इंटीरीयर कस्टम बैफल्स से लैस है। इसमें लगे ग्लास के हर पीस को ऐसे व्यवस्थित लगाया गया है जिससे रात में लाइटिंग इफेक्ट मिल सके। स्टोर के अंदर कतार में लगे हरे पेड़ भी बेहद आकर्षक है। ग्राहक एप्पल के अलग अलग प्रोडक्ट्स को देख सकते हैं या उनसे जुड़ी जानकारी के लिए स्टोर में मौजूद जीनियस से भी सलाह ले सकते हैं। इसके अलावा स्टोर में आने वाले ग्राहक मरीना बे सैंड्स के शानदार नजारे का भी लुत्फ उठा सकते हैं। एप्पल के इस नए स्टोर में 150 कर्मचारी कार्यरत हैं, जो दुनिया की 23 भाषाओं में माहिर हैं। एप्पल के मुताबिक, स्टोर में एक वीडियो वॉल भी है। इसके जरिए सिंगापुर के लोकल आर्टिस्ट, सिंगर्स और अन्य क्रिएटिव लोगों के लिए कंपनी टूडे एट एप्पल पर मंच भी प्रदान करेगा। एप्पल ने साल 2017 में सिंगापुर में ऑर्कड रोड पर अपना पहला रिटेल स्टोर खोला था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल का यह स्टोर साउथ-ईस्ट एशिया में खुलने वाला पहला स्टोर भी है, जिसे एप्पल ऑर्कड रोड पर खोला गया

था। 10 सितंबर को खुला एप्पल मरीना बे सैंड्स स्टोर एप्पल का दुनिया भर में 512 वां स्टोर है।

एप्पल ने बताया कि सिंगापुर में कंपनी पिछले 40 सालों से अधिक समय से है, इसकी शुरुआत आंग मो कीओ **(Ang Mo Kio)** में पहले कॉर्पोरेट के साथ हुई थी। तब से, एप्पल ने अपनी कॉर्पोरेट और रिटेल मौजूदगी को बढ़ाया है।

कंपनी के मुताबिक, एप्पल इकोसिस्टम 55,000 से अधिक नौकरियों का समर्थन करता है। वर्तमान में एप्पल के लिए दुनियाभर में 1 लाख से अधिक लोग काम करते हैं।

सेबी ने मल्टीकैप फंड ढांचे में बदलाव किया, शेयरों में करना होगा कम से कम 75% निवेश

नई दिल्ली:

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मल्टीकैप म्यूचुअल फंड के लिए संपत्ति आवंटन नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत ऐसे कोषों को अपने कोष का कम से कम 75 प्रतिशत शेयरों में निवेश करना जरूरी होगी। अभी यह सीमा 65 प्रतिशत है। सेबी के शुक्रवार को जारी सर्कुलर में कहा गया है कि इसके अलावा इस तरह के कोषों को बड़ी, मध्यम और छोटी बाजार पूजी वाली कंपनियों के शेयर और संबंधित प्रतिभूतियों में प्रत्येक में कम से कम 25 प्रतिशत का निवेश करना होगा। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से 30,000 से 40,000 करोड़ रुपए बड़ी बाजार पूंजी वाली कंपनियों के शेयरों से निकल मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में चली जाएंगी। नियामक ने कहा कि सभी मल्टीकैप फंड को एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शेयरों की अगली सूची प्रकाशित होने की तारीख से एक माह के भीतर इन प्रावधानों का अनुपालन पूरा होगा। यह तारीख जनवरी, 2021 है। सेबी ने कहा कि मल्टीकैप कोषों के निवेश को लार्ज, मिड और स्मॉलकैप कंपनियों में विविधीकृत करने के उद्देश्य से मल्टीकैप फंड योजना में कुछ संशोधन किया गया है। अभी मल्टीकैप फंड को अपनी कुल परिसंपत्तियों का 65 प्रतिशत शेयर और संबंधित प्रतिभूतियों में निवेश करना होता है। इसके अलावा अभी इन फंड के लार्ज, मिड या स्लॉकैप में निवेश को लेकर किसी तरह का अंकुश नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वजह से ऐसे मल्टीकैप फंड लार्जकैप में ऊंचा आवंटन करते है। शेष निवेश वे मध्यम और लघु श्रेणी की बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों में करते हैं।

कंगना मामले के बाद सख्त हुआ DGCA, यात्रा के दौरान फोटोग्राफी करने पर फ्लाइट रहेगी सस्पेंड

नई दिल्ली:

इस सप्ताह कंगना रणौत की चंडीगढ़ से मुंबई की इंडिगो फ्लाइट में मीडिया चैनलों के बीच मची अफरा-तफरी और फ्लाइट के भीतर की गई वीडियोग्राफी को ध्यान में रखते हुए एविएशन रेगुलेटर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा, %किसी भी यात्री विमान में एयरक्राफ्ट नियम 1937 के नियम 13 के उल्लंघन के मामले में, उस विशेष मार्ग के लिए संबंधित एयरलाइन की उड़ान अगले दिन से दो सप्ताह के लिए निलंबित कर दी जाएगी। यह नियम उड़ानों में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की शर्तों से संबंधित है यानी अब से अगर किसी नियमित यात्री उड़ान में इसका उल्लंघन होता है, तो उस मार्ग पर विमान सेवा कंपनी का शेड्यूल दो सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। दरअसल, विमान के अंदर बिना अनुमति फोटोग्राफी पहले से ही निलंबित है लेकिन इसके बावजूद कंपनियां इस नियम को लागू करने में विफल रही हैं।

इंडिगो से मांगी रिपोर्ट

इससे पहले डीजीसीए ने इंडिगो को चंडीगढ़-मुंबई की उसकी उड़ान में मीडियाकर्मियों द्वारा सुरक्षा और सामाजिक दूरी के नियमों के कथित उल्लंघन के लिए एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बता दें कि कंगना इस फ्लाइट से नौ सितंबर को यात्रा की थीं, जिसमें फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी हुई थी। इस संदर्भ में डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया, हमने ऐसे कुछ वीडियो देखे हैं, जिसमें मीडियाकर्मी बुधवार को 6ई264 उड़ान में एक दूसरे से बहुत सटकर खड़े थे। यह सुरक्षा और सामाजिक दूरी के नियमों के उल्लंघन की तरह है। हमने विमानन कंपनी इंडिगो को इस घटना पर एक रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

सरकारी बैंकों ने पीएम स्वनिधि के तहत 90% से अधिक ऋण मंजूर किया: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों की मदद के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अब तक 90 प्रतिशत से अधिक ऋण मंजूर किया है। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए लगाए गए लॉकडाउन के बाद इन लोगों को इससे अपना कामकाज फिर शुरू करने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालो कें लिए आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना एक जून को शुरू की थी। इससे कोविड-19 से प्रभावित गरीब रेहड़ी-पटरी वालों को अपनी आजीविका की गतिविधियों को फिर शुरू करने में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत शहरी क्षेत्रों के रेहड़ी-पटरी वालों को एक साल के लिए 10,000 रुपए का ऋण बिना किसी गारंटी के उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना 20.97 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज का हिस्सा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में इस पैकेज की घोषणा की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पोलार्ड, रदरफोर्ड आईपीएल के लिए पहुंचे यूएई

अबू धाबी । वेस्टइंडीज के खिलाड़ी कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से खेलने के बाद अब आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं और यहां आने लगे हैं। आईपीएल की मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस ने ट्वीट कर बताया है कि उसकी टीम के दो खिलाड़ी केरन पोलार्ड और शेरफाने रदरफोर्ड अपने परिवारों के साथ अबूधाबी पहुंच गए हैं। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने ट्वीट कर बताया कि उनके स्टार खिलाड़ी आंद्र रसेल भी यूएई पहुंच गए हैं। लेंडल सिमंस और डैरेन ब्रावो की मदद से त्रिनिबागो नाइट राइडर्स ने गुरुवार को सेंट लूसिया जाउक्स को आठ विकेट से मात दे सीपीएल के इस सीजन का खिताब अपने नाम किया। सिमंस और ब्रावो ने गुरुवार को 88 गेंदों पर 138 रनों की साझेदारी कर टीम को खिताब दिलाया।

आईपीएल-13 : 13वें प्रयास में पहली बार चैम्पियन बनना चाहेंगे दिल्ली कैपिटल्स (टीम प्रीव्यू)

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल की उन टीमों में से एक है जिससे उम्मीदें तो काफी रही हैं लेकिन यह टीम खिताब अभी तक नहीं जीत सकी है। पहले दिल्ली डेयरडेविल्स के नाम से जानी जाने वाली इस टीम ने 2008 और 2009 दोनों सीजनों के सेमीफाइनल में कदम रखा लेकिन इसके बाद यह टीम फिसड्डी ही साबित रही। फ्रेंचाइजी ने 2018 में अपना नाम बदला और दिल्ली कैपिटल्स रखा, इसके पीछे मंशा साफ थी, किस्मत बदलना। 2018 में तो नहीं लेकिन 2019 में युवा कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम की किस्मत बदली और टीम लंबे अरसे बाद प्लेऑफ में पहुंची। इस बार अय्यर की कप्तानी वाली यह टीम पिछले सीजन से एक कदम आगे जाना चाहेगी और अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

टीम की सबसे अच्छी बात यह है कि टीम में युवा जोश और अनुभव का अच्छा मिश्रण है। ऋषभ पंत, पृथ्वी शॉ, अय्यर वो खिलाड़ी हैं जिन्हें भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जाता है। वहीं शिखर धवन, अजिंक्य रहाणे, रविचंद्रन अश्विन, ईशांत शर्मा का अनुभव टीम को और मजबूत करता है। टीम की बल्लेबाजी काफी मजबूत है। दिल्ली के लिए खेलते हुए पंत आईपीएल में अलग ही रूप में रहते हैं। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी गेंदबाजों के लिए डर है। पृथ्वी भी इसी रास्ते पर हैं। पृथ्वी ने पिछले सीजन भी अच्छा किया था लेकिन वो अभी तक उस तरह का प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जिसकी उनसे उम्मीद की जाती है। भारतीय टीम से खेलते हुए अय्यर ने बीते सीजन अच्छा किया था। शीर्ष क्रम में पंत, धवन, पृथ्वी के बाद मध्य क्रम में अय्यर रहाणे, मार्कस स्टोइनिस, एलेक्स कैरी, शिमरन हेटमायेर टीम को मजबूत करते हैं। फिनिशर के तौर यहां कैरी और स्टोइनिस को अहम भूमिका में देखा जा सकता है। दिल्ली के पास अक्षर पटेल, अश्विन के रूप में दो अच्छे हरफनमौला खिलाड़ी भी हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की धीमी पिचों को देखते हुए दिल्ली को फायदा होगा क्योंकि टीम के पास अच्छे स्पिनर भी हैं। पटेल और अश्विन के अलावा दिल्ली के पास नेपाल के संदीम लामिछाने, अमित मिश्रा के विकल्प हैं। जहां तक तेज गेंदबाजों की बात है तो राबाडा और ईशांत पर ज्यादा भार होगा। इनका साथ देने के लिए कीमो पॉल, आवेश खान और मोहित शर्मा के विकल्प दिल्ली के पास हैं। दिल्ली को बस अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की जरूरत है। उसके पास वो जरूरी संतुलन है जो उसे खिताब की रेस में बनाता है।

दिल्ली कैपिटल्स टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शिखर धवन, शिमरन हेटमायेर, पृथ्वी शॉ, मार्कस स्टोइनिस, ललित यादव, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कीमो पॉल, डेनिल सैम्स, एलेक्स कैरी, ऋषभ पंत, कागिसो रबाडा, संदीप लामिछाने, ईशांत शर्मा, आवेश खान, तुषार देशपांडे, हर्षल पटेल, अमित मिश्रा एनरिक नोर्टजे।

अमेरिका ओपन : ज्वोनरेवा और सीगमंड ने जीता महिला युगल खिताब

न्यूयॉर्क।

पहली बार किसी टूर्नामेंट में एक साथ खेल रहीं गैर वरीयता प्राप्त लॉरा सीगमंड और वेरा ज्वोनरेवा की जोड़ी ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन में महिला युगल खिताब जीत लिया है। ज्वोनरेवा और सीगमंड की जोड़ी ने शुक्रवार को आर्थर एश स्टेडियम में खेले गए 79 मिनट के फाइनल में तीसरी सीड चीन की जोड़ी जू यिफान और निकोल मेलिचर को 6-4, 6-4 से हराया। सीगमंड का महिला युगल वर्ग में यह अब तक का पहला बड़ा खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2016 में मैट पाविच के साथ मिलकर फ्लशिंग मीडोज में यूएस ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीता था। ज्वोनरेवा ने इस जीत के बाद कहा, ये दो सप्ताह मेरे लिए बहुत खास रहा है क्योंकि मैं काफी समय से टूर से बाहर थी। मैंने लगातार मैच नहीं खेले हैं। मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक यह है कि मैं लॉरा के साथ कोर्ट पर अपना समय बिता रही थी। वह अच्छी पार्टनर थी।

चार बार के विश्व चैंपियन तिहरी कूद एथलीट टेलर को मिली हार

ब्राटिस्लावा (स्लोवाकिया)।

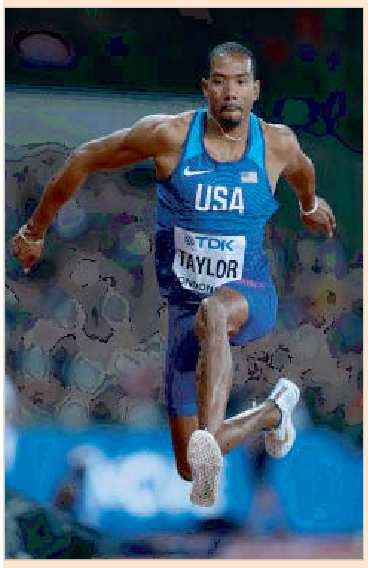

चार बार के विश्व चैंपियन अमेरिका के तिहरी कूद एथलीट क्रिस्टियन टेलर उम्मीदों पर खरा उतरने में विफल रहे और उन्हें सेमोरिन में विश्व एथलेटिक्स कॉटिनेंटल टूर सिल्वर मीट में स्थानीय एथलीट थॉमस वेसजेल्का से हार का सामना करना पड़ा। 25 साल के वेसजेल्का ने शुक्रवार को अपने तीसरे राउंड में 16.69 मीटर की दूरी तय की। उन्होंने छठे राउंड में 16.66 मीटर कर दूरी के साथ टेलर को पीछे छोड़ दिया। टेलर 16.53 मीटर ही कूद सके। वेसजेल्का 2018 यूरोपियन चैंपियनशिप के फाइनल में आठवें स्थान पर रहे थे। वहीं, उन्होंने चीन के वुहान में 2019 में 17.08 मीटर की दूरी तय की थी, जोकि उनके करियर का बेस्ट प्रदर्शन था।

US Open 2020

डोमिनिक थीम और एलेक्जेंडर ज्वेरेव पहली बार यूएस ओपन के फाइनल में, 14 सितंबर को दोनों के बीच होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क।

ऑस्ट्रिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी डोमिनिक थीम ने पहली बार साल के चौथे ग्रैंड स्लैम-यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दूसरी सीड थीम ने शनिवार को मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मैच में पिछले साल के उपविजेता तीसरी सीड रुस के डेनिल मेदवेदेव को 6-2, 7(9)-6(7), 7(7)-6(5) से हराया। इस जीत के साथ ही थीम ऑस्ट्रिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जो इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं।

इससे पहले थीम 2018 में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्होंने राफेल नडाल के खिलाफ चार घंटे 49 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में काफी संघर्ष किया था। हालांकि पांचवें सेट में टाइब्रेकर में जाकर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। अब फाइनल में थीम का सामना 14 सितंबर को एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।

दोनों खिलाड़ियों की नजर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर होगी। ज्वेरेव ने मेंस सिंगल्स के अन्य सेमीफाइनल मैच में पाब्ला कैरोना बुस्ता को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-3 से मात देकर पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। ज्वेरेव पिछले 25 साल में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले जर्मनी के पहले खिलाड़ी भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना से उबरने के बाद ट्रेनिंग पर लौटे नेमार

पेरिस। फ्रेंच फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्टार फुटबॉलर नेमार कोरोना वायरस से पूरी तरह से ठीक होने के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 28 साल के नेमार पीएसजी के उन सात खिलाड़ियों में से एक थे जो हाल में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। नेमार के अलावा कीलियन एम्बाप्पे, मौरो इकार्डी, एंजल डी मारिया और लीएंड्रो पेरेडेज, केलर नवास और मारक्विनहोस शामिल हैं। नेमार ने शुक्रवार को अपने टिवटर पर लिखा, मैं ट्रेनिंग पर लौट आया हूं। बहुत खुश हूं। कोरोना आउट। इन स्टार खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी के कारण मौजूदा चैंपियन पीएसजी को फ्रेंच लीग 1 के अपने पहले मैच में शीर्ष श्रेणी में जगह बनाने वाली लेन्स की टीम के हाथों गुरुवार को 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था। पीएसजी के लिए 18 साल के कायस रुइज आटिल और एर्नाउड केलिमेएंडो फर्स्ट टीम के लिए अपना पदार्पण कर रहे थे जबकि 20 साल के मार्सिन बुल्का केवल अपना दूसरा मैच खेल रहे थे। पीएसजी को अब अपना अगला मैच रविवार को फ्रेंच लीग 1 के उपविजेता मार्सिले के खिलाफ खेलना है।

आलोचना के बजाय बाबर को प्रेरित करना चाहिए : अकमल

लाहौर । पाकिस्तान के बल्लेबाज कामराम अकमल ने उन लोगों को आड़े हाथों लिया है जो बाबर आजम की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि लोगों को बाबर की आलोचना करने के बजाए बल्लेबाज को प्रेरित करना चाहिए। इंग्लैंड के हालिया दौरे पर आजम फॉर्म में नहीं दिखे थे और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 69 रन ही बना सके थे। वहीं दो टी-20 मैचों में उन्होंने सिर्फ 56 रन ही बनाए थे। अकमल ने पाकपैशन डॉट नेट को दिए इंटरव्यू में कहा, यह बुरी बात है कि लोग हमारे नंबर-1 बल्लेबाज की आलोचना कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि बाबर आजम ज्यादा तेज गति से रन नहीं बना रहे हैं और मैच नहीं जिता रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें क्या हो गया है? अगर हम सुधार करना चाहते हैं तो हमें उन्हें निराश करने के बजाय अपनी ऊर्जा उन्हें प्रेरित करने में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे एक बार फिर लगता है कि टीम प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि टीम के सभी खिलाड़ियों का अच्छे से ध्यान रखा जाए और अपने चुनिंदा खिलाड़ियों पर ध्यान देने के बजाए सभी को देखा जाए और उन्हें आत्मविश्वास दिया जाए। आजम पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान हैं। टेस्ट में उनकी रैंक पांचवीं है, वनडे में वह तीसरे और टी-20 में वे दूसरे स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे मैच में इंग्लैंड को 19 रन से हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

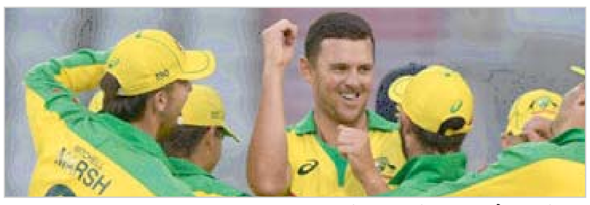

डिजिटल डेस्क।

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में मेजबान इंग्लैंड को 19 रन से हराया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 294 रन बनाए। इस लक्ष्य का पिछा करने उतरी इंग्लैंड 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 275 रन ही बना पाई। मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

मैक्सवेल और मार्श ने अर्धशतक जड़े

मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा रन ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने बनाए। मैक्सवेल ने 59 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों की मदद से 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा मिशेल मार्श ने भी अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 100 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 73 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। मार्कस स्टोइनिस ने 43 और मार्नस लाबुशाने ने 21 रन बनाए। मिशेल स्टार्क ने 19, कप्तान एरॉन फिंच ने 16, एलेक्स कैरी ने 10, पैट कमिंस ने 9, डेविड वॉर्नर ने 6 और एडम जम्पा ने 5 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड ने 3-3 विकेट लिए। आदिल रशीद ने 2 और क्रिस वोक्स ने 1 विकेट झटका।

बिलिंग्स ने वनडे करियर का पहला शतक लगाया

वहीं इंग्लैंड के लिए मैच में सबसे ज्यादा रन सैम बिलिंग्स ने बनाए। उन्होंने 110 गेंदों में 14 चौके और 2 छक्कों की मदद से 118 रन की शतकीय पारी खेली। बिलिंग्स ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया है। वहीं जॉनी बेयरेस्टो ने अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 107 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों की मदद से 84 रन बनाए। इन दोनों के अलावा इंग्लैंड का कोई भी बल्लेबाज 10 आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया। ऑस्टेलिया के लिए एडम जम्पा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। जोश हेजलवुड ने 3, पैट कमिंस और मिशेल मार्श ने 1-1 विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच अब सीरीज का दूसरा वनडे मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा।

फराह ने जीता एंट्रीम कोस्ट हाफ मैराथन

डबलिन ।

चार बार के ओलंपिक चैंपियन ब्रिटिश एथटलीट मोहम्मद फराह ने यहां उत्तरी आयरलैंड में आयोजित एंट्रीम कोस्ट हाफ मैराथन रेस जीत ली है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह ही बुसेल्स में मेमोरियल वैन डैम मीटिंग में एक घंटे की दौड़ में नया विश्व रिकार्ड बनाने वाले फराह ने शनिवार को यहां एक और शानदार रेस का समापन किया। 37 साल के फराह ने एक घंटे और 27 सेकेंड के समय के साथ रेस अपने नाम की। वह रेस में दूसरे स्थान पर रहने वाले मार्क स्कॉट से 12 सेकेंड आगे थे। वहीं, बेन कोनोर दूसरे स्थान पर रहने वाले स्कॉट से 16 सेकेंड पीछे थे और उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। बेलफास्ट के स्टीफन स्कुलियन अपने घरेलू दर्शकों के सामने चौथे नंबर पर रहे। दो साल तक मैराथन में समय देने के बाद 2017 के बाद से फराह का ट्रैक पर यह दूसरी रेस थी। फराह को अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में 10,000 मीटर में अपने खिताब का बचाव करना है।

केकेआर में गर्ने का स्थान लेंगे अमेरिका के अली खान : रिपोर्ट

दुबई । अमेरिका के तेज गेंजबाज अली खान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल के आगामी सीजन के लिए हैरी गर्ने के स्थान पर टीम में शामिल किया है। इस बार आईपीएल का आयोजन कोविड-19 के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितंबर से हो रहा है। गर्ने ने कंधे की चोट के कारण पिछले महीने आईपीएल और टी-20 ब्लास्ट से नाम वापस ले लिया था। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, खान अमेरिका के पहले खिलाड़ी होंगे जो आईपीएल में खेलेंगे। दाएं हाथ का यह गेंदबाज कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीए) में त्रिनिबागो नाइट राइडर्स के साथ सफल सीजन बिता कर आ रहा है। त्रिनिबागो और कोलकाता दोनों एक ही कंपनी के टीमें हैं। त्रिनिबागो ने इस बार खिताब अपने नाम किया है और खान ने लीग के आठ मैचों में आठ विकेट चटकाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि खान को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी ड्वायन ब्रावो के इंस्टाग्राम पर अपलोड की गई फोटों में ब्रावो के साथ विमान में देखा गया और इस फोटो का कैप्शन था, अगला स्थान दुबई। दिनेश कार्तिक की कप्तानी वाली कोलकाता 23 सितंबर को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

मैक्कुलम के 158 रनों की पारी के बाद से ही केकेआर का फैन हूं : फर्ग्यूसन

अबु धाबी ।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ खेलने के लिए उत्साहित हैं। फर्ग्यूसन का आईपीएल में केकेआर के साथ यह दूसरा सीजन है। कोविड-19 के कारण इस बार आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितंबर से हो रहा है। न्यूजीलैंड से यूएई पहुंचने के बाद फर्ग्यूसन एक सप्ताह तक होटल के कमरे में क्वारंटीन में रहे थे। क्वारंटीन पूरा होने के बाद शुक्रवार को वह अपनी केकेआर की टीम के साथ अभ्यास पर लौटे हैं। फर्ग्यूसन ने कोलकाता नाइट राइडर्स की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। केकेआर एक ऐसी टीम है जिसने मुझे दोनों हाथों से स्वीकारा और जब मैं पिछले साल वहां पहुंचा था तो टीम ने मुझे तुरंत ही परिवार का हिस्सा होने का एहसास कराया। मैंने टीम में कुछ अच्छ दोस्त बनाए जो खेल के बाद भी जारी है। उन्होंने कहा, हम युवा अवस्था से ही आईपीएल को देखते आ रहे हैं। जब हम बड़े हो रहे थे तब से ही ब्रैंडन मैक्कुलम हमारे हीरो थे। केकेआर के लिए पहले मैच में उन्हें शानदार प्रदर्शन करते हुए देखने के बाद कोलकाता का फैन नहीं बनना बड़ा मुश्किल था। न्यूजीलैंड के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज मैक्कुलम ने 2008 में आईपीएल के पहले मैच में बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 158 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेली थी। दाएं हाथ के कीवी तेज गेंदबाज ने पिछले साल ऐतिहासिक लॉर्डस में खेले गए अपने पहले विश्व कप फाइनल के अनुभव के बारे में भी बात की, जहां न्यूजीलैंड को बाउंड्री नियम के आधार पर इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड को लगातार दूसरी बार उपविजेता से संतोष करना पड़ा था। फर्ग्यूसन ने कहा, पिछले साल विश्व कप फाइनल की भावनाओं को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। यह एक लंबा टूर्नामेंट था, लेकिन यह बहुत जल्दी हो गया। भारत से (आईपीएल) खेलने के बाद सीधे विश्व कप में जाना पड़ा, जोकि पूरी मेरे लिए पूरी तरह से अलग परिस्थितियां थी।

मैक्यूइर मैनचेस्टर युनाइटेड टीम के कप्तान बने रहेंगे : सोल्सजाएर

लंदन । इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड के डिफेंडर हैरी मैक्यूइर टीम के कप्तान बने रहेंगे। युनाइटेड के कोच ओलर नगर सोल्सजाएर ने इसकी पुष्टि की है। 27 साल के मैक्यूइर इस साल जनवरी में मैनचेस्टर युनाइटेड टीम के कप्तान बने थे। उन्हें पिछले महीने ग्रीक आइसलैंड में एक दुर्घटना के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए उन्होंने अपील भी की थी। सोल्सजाएर ने एमयूटीवी से कहा, वह हमारे कप्तान बने रहेंगे। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से टीम को संभाला है और निश्चित रूप से उनका समर्थन करने के लिए मैं यहां रहूंगा। उन्होंने कहा, हम सिर्फ हैरी और उनके खिलाड़ियों पर यह छोड़ देंगे। मेरे लिए, वह एक शीर्ष और पूर्ण इंसान है और हमेशा सही मूल्यों के साथ एक सकारात्मक आदमी है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि हम हैरी को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देख सकते हैं। मैक्यूइर ने पिछले महीने ही इंग्लैंड टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन कोच गैरेथ साउथगेट ने कहा था कि वह अक्टूबर में उन्हें फिर से टीम में शामिल करने के लिए बुलाएंगे। मैनचेस्टर युनाइटेड की टीम को शनिवार को एस्टन विला के खिलाफ एक दोस्ताना मैच खेलना है। इसके बाद टीम 19 सितंबर को क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ मुकाबले से इंग्लिश प्रीमियर लीग सीजन में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बॉलीवुड में लोग प्रतिभा के आधार पर सफल हुए हैं, धर्म के आधार पर नहीं: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने शनिवार को कहा कि भारतीय फिल्म उद्योग की आधारशिला एक महाराष्ट्रिय दादासाहेब फाल्के द्वारा रखी गई थी और फिल्म जगत में कलाकारों ने अपनी प्रतिभा के बल पर सफलता अर्जित की है न कि धर्म के बल पर। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में छपे संपादकीय में यह टिप्पणी अभिनेत्री कंगना रनौत के उस ट्वीट की पृष्ठभूमि में की गई जिसमें रनौत ने कहा था कि उन्होंने 'इस्लाम के प्रभुत्व' वाले फिल्म उद्योग में अपना 'जीवन और करियर' दांव पर लगाया तथा रानी लक्ष्मीबाई एवं छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्में बनाईं। संपादकीय में कहा गया कि फाल्के द्वारा रखी गई आधारशिला का फल आज पूरे देश से आए कलाकारों को मिल रहा है। सामना में कहा गया, 'मुंबई में इस उद्योग में अपना भाग्य आजमाने जो आता है वह पहले फुटपाथ पर सोता है और फिर जुहू, पाली हिल और मालाबार हिल में बंगला बनाकर रहने चला जाता है। यह सभी लोग इस शहर और राज्य के हमेशा आभारी रहे हैं जिसने उन्हें उनके सपनों को सच करने का अवसर दिया। उन्होंने मुंबई को कभी धोखा नहीं दिया और शहर के विकास में अपना योगदान दिया।' मुखपत्र में कहा गया, 'बहुत से कलाकारों को भारत रत्न और निशान ए पाकिस्तान से नवाजा गया है।' संयोग से, कई साल पहले जब दिलीप कुमार ने निशान ए पाकिस्तान स्वीकार किया था तब शिवसेना ने इसका मुखर होकर विरोध किया था। संपादकीय में यह भी कहा गया कि मुंबई फिल्म उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देता है। उद्योग में 'खानों' के प्रभुत्व पर संपादकीय में कहा गया कि एक समय में फिल्म उद्योग में पंजाबियों और महाराष्ट्रियन लोगों का प्रभुत्व था।

शाही खर्चे में कटौती कर स्कूलों में बच्चों की फीस माफ करे सरकार: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने शनिवार को कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारें अपने शाही खर्चे में कटौती कर व्यापक जनहित में बच्चों की स्कूल फीस माफ करें। बसपा प्रमुख ने

ट्वीट किया, ''कोरोना लॉकडाउन से संक्रमित देश की आर्थिक मन्दी से भीषण बेरोजगारी व जीवन में अभूतपूर्व संकट झेल रहे करोड़ों लोगों के सामने बच्चों के फीस जमा करने की समस्या संगीन होकर अब धरना-प्रदर्शन आदि के रूप में सामने आई है व उन्हें पुलिस के डण्डे खाने पड़ रहे हैं, जो अति-दु:खद। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा, ऐसे 'एक्ट ऑफ गॉड' के समय में संवैधानिक मंशा के अनुरूप सरकार की कल्याणकारी राज्य होने की भूमिका खास तौर से काफी बढ़ जाती है। केन्द्र व राज्य सरकारें अपने शाही खर्चे में कटौती करके सरकारी व प्राइवेट स्कूल फीस की प्रतिपूर्ति करें अर्थात व्यापक जनहित में बच्चों की स्कूल फीस माफ करें।

विमान के भीतर कोई फोटोग्राफी करता पाया गया तो दो सप्ताह के लिए निलंबित होगी उड़ान: डीजीसीए

नयी दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशक (डीजीसीए) ने शनिवार को कहा कि अगर किसी पूर्व निर्धारित उड़ान में किसी को फोटोग्राफी करते हुए पाया गया तो उस मार्ग पर उड़ान को दो सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। डीजीसीए को इंडिगो की बुधवार की चंडीगढ़-मुंबई की एक उड़ान में सुरक्षा और सामाजिक दूरी संबंधी प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन का पता चला था जिसमें अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी यात्रा की थी। इसके बाद डीजीसीए ने शुक्रवार को इंडिगो से 'उचित कार्रवाई' करने को कहा था।

बुधवार को विमान के भीतर के घटनाक्रम के एक वीडियो के अनुसार संवाददाता और कैमरामैन रनौत की प्रतिक्रिया लेने के लिए आपस में धक्कामुक्की करते और भीड़ लगाते देखे गये। डीजीसीए ने शनिवार को अपने आदेश में कहा कि फैसला किया गया है कि अब से यदि किसी पूर्व निर्धारित यात्री विमान में इस तरह का कोई उल्लंघन (फोटोग्राफी) होता है तो उस मार्ग पर उड़ान को अगले दिन से दो सप्ताह की अवधि के लिए निलंबित कर दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के 'सिनेमा वाले बाबू' नायाब तरीके से छात्रों को दे रहे शिक्षा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शिक्षक अशोक लोधी ने बच्चों को पढ़ाने का एक नायाब तरीका ढूंढा है। जिसके जरिए बच्चे हंसी, खुशी पढ़ाई कर रहे हैं। जहां एक तरफ कोरोना वायरस महामारी के चलते स्कूल-कॉलेज बंद हैं, वहीं अशोक लोधी जैसे शिक्षक बच्चों को उनके मोहल्ले में जा-जाकर पढ़ा रहे हैं। अशोक लोधी की खास बात यह है कि वह अपनी मोटरसाइकिल पर टीवी और स्पीकर के साथ स्कूली बच्चों के लिए मोहल्ला में कक्षाएं आयोजित करते हैं और बच्चों को कार्टून भी दिखाते हैं।

कोरिया जिले में अशोक लोधी सिनेमा वाले बाबू के नाम से फेमस हैं। अशोक लोधी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि इस काम में अलग से पैसा खर्च नहीं करना पड़ता है। साथ ही साथ स्थानीय प्रशासन भी उन्हें इस काम के लिए प्रोत्साहित किया है। बता दें कि अशोक लोधी अपनी मोटरसाइकिल पर स्कूल का टीवी फिट किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह अलग-अलग स्थानों पर जाकर बच्चों को पढ़ाकर अपनी जिम्मेदारियों का पालन कर रहे हैं। समाचार एजेंसी को एक छात्र ने बताया कि यह मजेदार अनुभव है हम एक साथ पढ़ाई करते हैं और कार्टून देखते हैं।

मोदी सरकार बना रही 'ईस्ट इंडिया कंपनी', खेती-किसानी को उद्योगपतियों के हाथों गिरवी रखने का षड्यंत्र: सुरजेवाला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस ने कृषि उपज के क्रय-विक्रय से संबंधित तीन अध्यादेशों का विरोध करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इनके माध्यम से देश में 'ईस्ट इंडिया कंपनी' बना रही है तथा यह सब खेती-किसानी को बड़े उद्योगपतियों के हाथों गिरवी रखने का षड्यंत्र है। पार्टी महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि कांग्रेस इन अध्यादेशों का सड़क पर पुरजोर विरोध करने के साथ ही मानसून सत्र के दौरान संसद में विरोधी करेगी और इस मुद्दे पर दूसरे विपक्षी दलों को भी साथ लेने का प्रयास करेगी। हाल ही में केंद्र सरकार ने तीन अध्यादेश- कृषि उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सरलीकरण) अध्यादेश, किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन समझौता और कृषि सेवा अध्यादेश और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अध्यादेश जारी किए हैं। कई किसान संगठन इनका विरोध कर रहे हैं।

सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''मोदी सरकार ने खेत-खलिहान-अनाज मंडियों पर तीन अध्यादेशों का क्रूर प्रहार किया है। ये 'काले कानून' देश में खेती व करोड़ों किसान-मज़दूर-आढ़तियों को खत्म करने की साजिश के दस्तावेज हैं। खेती और किसानी को पूंजीपतियों के हाथ गिरवी रखने का यह सोचा-समझा षडयंत्र है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार पूंजीपति मित्रों के जरिए 'ईस्ट इंडिया कंपनी' बना रही है। किसान को 'लागत+50 प्रतिशत मुनाफे' का सपना दिखा कर सत्ता में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन अध्यादेशों के माध्यम से खेती के खात्मे का पूरा उपन्यास ही लिख दिया। अन्नदाता किसान के वोट से जन्मी मोदी सरकार आज किसानों के लिए भस्मासुर साबित हुई है।''

उन्होंने कहा, ''यह सरकार साल 2014 में सत्ता में आते ही किसानों के भूमि मुआवज़ा कानून को खत्म करने का अध्यादेश लाई थी। तब भी कांग्रेस व किसानों के विरोध से मोदी जी ने मुंह की खाई थी और इस बार भी मुंह की खाएंगे।'' सुरजेवाला ने दावा किया कि अनाज मंडी-सब्जी मंडी को खत्म करने से 'कृषि उपज खरीद व्यवस्था' पूरी तरह नष्ट हो जाएगी और ऐसे में किसानों को न तो 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) मिलेगा और न ही बाजार भाव के अनुसार फसल की कीमत। '' इसका जीता जागता उदाहरण बिहार है जहां साल 2006 में अनाज मंडियों को खत्म कर दिया गया। आज बिहार के किसान की हालत बद से बदतर है।''

उन्होंने कहा, ''अगर किसान की फसल को मुट्ठीभर कंपनियां मंडी में सामूहिक खरीद की बजाय उसके खेत से खरीदेंगी, तो फिर मूल्य निर्धारण, वजन व कीमत की सामूहिक मोलभाव की शक्ति खत्म हो जाएगी। स्वाभाविक तौर से इसका नुकसान किसान को होगा।'' कांग्रेस महासचिव का कहना था कि मंडियां खत्म होते ही अनाज-सब्जी मंडी में काम करने वाले लाखों-करोड़ों मजदूरों, आढ़तियों, मुनीम, ढुलाईदारों, ट्रांसपोर्टरों, शेलर आदि की रोजी रोटी और आजीविका अपने आप खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अनाज-सब्जी मंडी व्यवस्था खत्म होने के साथ ही प्रांतों की आय भी खत्म हो जाएगी।

सुरजेवाला ने दावा किया, '' कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अध्यादेश की आड़ में मोदी सरकार असल में 'शांता कुमार कमेटी' की रिपोर्ट लागू करना चाहती है, ताकि एफसीआई के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद ही न करनी पड़े और सालाना 80,000 से 1 लाख करोड़ रुपए की बचत हो। इसका सीधा प्रतिकूल प्रभाव खेत खलिहान पर पड़ेगा।'' उनके मुताबिक, ''अध्यादेशों में न तो खेत मजदूरों के अधिकारों के संरक्षण का कोई प्रावधान है और न ही जमीन जोतने वाले बंटाईदारों के अधिकारों के संरक्षण का। ऐसा लगता है कि उन्हें पूरी तरह से खत्म कर अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। ''

कांग्रेस नेता ने कहा कि महामारी की आड़ में 'किसानों की आपदा' को मुट्ठीभर 'पूंजीपतियों के अवसर' में बदलने की मोदी सरकार की साजिश को देश का अन्नदाता किसान व मजदूर कभी नहीं भूलेगा। भाजपा को इस किसान विरोधी दुष्कृत्य के परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

कोविड अस्पतालों में वेंटीलेटर सहित सभी चिकित्सा उपकरण क्रियाशील रहने चाहिए: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड अस्पतालों में वेंटीलेटर सहित सभी चिकित्सा उपकरण क्रियाशील रहने चाहिए। चिकित्सालयों में ऑक्सीजन का 48 घण्टे का इंतजाम अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहना चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में आयोजित की जाने वाली नीट परीक्षा के लिए सभी आवश्यक प्रबन्ध किए जाएं और सुनिश्चित किया जाए कि अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत जनपद लखनऊ पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है और सभी कोविड अस्पताल अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कोविड-19 के मरीजों के उपचार के लिए करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ऑनलाइन ओपीडी सेवा 'ई-संजीवनी' अत्यन्त उपयोगी सिद्ध हो रही है। बड़ी संख्या में मरीजों ने मोबाइल एप के माध्यम से इस सुविधा का लाभ प्राप्त किया है। उन्होंने निर्देश दिए कि 'ई-संजीवनी' सेवा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऑनलाइन ओपीडी सेवा का लाभ प्राप्त कर सकें।

अफगानिस्तान की सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का किया जाना चाहिए सम्मान: एस जयशंकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अफगान शांति प्रक्रिया में अफगानिस्तान की सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। दोहा में आयोजित अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में डिजिटल माध्यम से हिस्सा लेते हुए जयशंकर ने कहा कि शांति प्रक्रिया को मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं और खतरे की आशंका वाले वर्गों के हित सुनिश्चित हों एवं देशभर में हिंसा का प्रभावी समाधान निकाला जाए। जयशंकर ने एक के बाद एक किए गए ट्वीट के जरिये अपने संबोधन के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने लम्बे समय से जारी भारत के उस रूख की पुन: पुष्टि की कि शांति प्रक्रिया अफगानिस्तान के स्वामित्व वाला, अफगानिस्तान नीत और अफगानिस्तान नियंत्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे लोगों के बीच मित्रता अफगानिस्तान के साथ हमारे इतिहास की गवाही देती है। हमारी 400 से अधिक परियोजनाओं के जरिये अफगानिस्तान का कोई हिस्सा अछूता नहीं है। हमें विश्वास है कि हमारे सभ्यतागत संबंध आगे बढ़ना जारी रहेंगे।'' गौरतलब है कि पिछले महीने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान के 400 कैदियों को छोड़ने पर सहमति व्यक्त की थी जिससे युद्धग्रस्त देश में पिछले दो दशकों से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिये बहुप्रतिक्षित शांति प्रक्रिया शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया में भारत एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। भारत ने अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण गतिविधियों में करीब 2 अरब डालर का निवेश किया है। फरवरी में अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत उभरती राजनीति स्थिति पर करीबी नजर बनाये हुए हैं। इस समझौते के तहत अमेरिका, अफगानिस्तान से अपने सैनिक हटा लेगा। वर्ष 2001 के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिका के करीब 2400 सैनिक मारे गए हैं। भारत का कहना है कि इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इस प्रक्रिया में कहीं कोई ऐसा अप्रशासित स्थान रिक्त नहीं रह जाये जिसे आतंकवादी और उनके छद्म सहयोगी भर दें।

लालू यादव से सवा घंटे की मुलाकात के बाद बोले हेमंत सोरेन, बिहार में हम मिलकर लड़ेंगे चुनाव

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को यहां राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की तथा बिहार में साथ मिलकर चुनाव लड़ने की घोषणा की। लालू चारा घोटाले में सजा काट रहे हैं। मुख्यमंत्री आज अपराह्न लगभग दो बजे रिम्स पहुंचे और रिम्स निदेशक के बंगले में इलाजरत लालू से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच लगभग सवा घंटे तक विचार-विमर्श चला। लालू से मुलाकात के बाद रिम्स निदेशक के बंगले से बाहर आए सोरेन ने मीडिया से कहा, 'लालू जी की सेहत अब बहुत बेहतर है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'वैसे मैं जानता हूं कि आप लोग यहां बिहार चुनाव के बारे में सवाल पूछने के लिए एकत्रित हैं। इस विषय को लेकर लालू जी के लोग अधिकृत हैं। वहां बातें होंगी। राजनीतिक बातें तो राजनीतिक मंच पर ही होंगी। हां, इतना बता दूं कि बिहार में हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे।' यह पूछे जाने पर कि कितनी सीटों पर बात तय हुई है, मुख्यमंत्री ने कहा, 'कहां कौन होगा, कहां से कौन लड़ेगा, यह जानने के लिए थोड़ा इंतजार करें।' उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में राजद के नेतृत्व में बने महागठबंधन के साथ मिलकर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की बात कही थी और अपने लिए बिहार में बारह सीटों की मांग रखी थी। लेकिन राजद ने उसे अधिकतम दो या तीन सीट ही देने के संकेत दिए हैं।

केरल में कांग्रेस और भाजपा का व्यापक विरोध प्रदर्शन, उच्च शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल में उच्च शिक्षा मंत्री के टी जलील के प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष एफसीआरए के कथित उल्लघंन मामले में पेशी के बाद कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री का इस्तीफा मांगते हुए व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। भारी बारिश के बाद भी कांग्रेस, युवा कांग्रेस, युवा मोर्चा, भाजपा, और यूथ लीग ने कोझिकोड, त्रिशूर, मल्लापुरम, इडुक्की और कोट्टायम समेत कई स्थानों पर जलील के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। कल रात विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में भाजपा आज काला दिवस मना रही है। कई स्थानों पर पुलिस ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियां चलाई और पानी की बौछारें की। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के पुतले भी फूकें।

राजधानी में प्रदर्शनकारियों ने सचिवालय में घुसने की कोशिश की जिसके बाद पुलिस ने लाठी चलाई और कुछ कार्यकर्ता इसमें घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने जलील के मल्लापुरम स्थित घर तक भी मार्च करने की भी कोशिश की लेकिन पुलिस ने कुछ दूरी पर ही उन्हें रोक लिया। प्रवर्तन निदेशालय ने राजनयिक माध्यम से यूएई से लाई गई पवित्र कुरान की खेप को स्वीकार करने में एफसीआरए ((विदेशी चंदा नियमन कानून) के कथित उल्लंघन को लेकर शुक्रवार को यहां केरल के उच्च शिक्षा मंत्री के टी जलील से पूछताछ की।

जलील से ईडी की पूछताछ के बारे में पर्यटन मंत्री केडाकमपल्ली सुरेंद्रन ने संवाददाताओं से यहां बताया कि उनसे स्पष्टीकरण मांगी गई थी और इस वजह से उन्हें इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है और विपक्ष का विरोध प्रदर्शन गैरजरूरी है। मंत्री ने इससे पहले यह स्वीकार किया है कि पवित्र कुरान की खेप उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थित संयुक्त अरब अमीरात के दूतावास से ली है, जिसके बारे में सीमा शुल्क के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक तौर पर यह एफसीआरए के उल्लंघन का मामला है।

वहीं, मंत्री ने शुक्रवार को फेसबुक पोस्ट में कहा, सच की जीत होगी। सिर्फ सच। चाहे भले ही पूरी दुनिया इसका विरोध करे, इसके अलावा कुछ नहीं होगा। वहीं राज्य में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पी विजयन जलील को बचा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा था कि जलील पर केन्द्रीय एजेंसियों की नजर है। जलील ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि रमजान के दौरान तिरुवनंतपुरम लाई गई इस खेप में उनके विधानसभा क्षेत्र में वितरित की जाने वाली कुरान की खेप भी शामिल है।

लालू यादव के MY समीकरण को ध्वस्त करने में जुटे नीतीश कुमार, यह रहा पूरा प्लान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

जिस यादव-मुस्लिम समीकरण के सहारे लालू यादव 15 सालों तक बिहार के सत्ता में काबिज रहे, उसी में अब नीतीश कुमार सेंध लगाने की तैयारी में हैं। नीतीश कुमार आरजेडी के रूब्ब् समीकरण को बिगाड़ने में जुटे हुए हैं। इसके लिए नीतीश कुमार ने ट्रंप कार्ड भी तैयार कर लिया है जिस से पार पाने में आरजेडी के पसीने छूट सकते है। नीतीश कुमार किसी भी कीमत पर आरजेडी के रूब्ब् समीकरण को खत्म करना चाहते हैं। यही कारण है कि वह आरजेडी के नाराज नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने में देर नहीं लगा रहे हैं। इन्हीं नेताओं में से कुछ ऐसे नेता है जो यादव और मुस्लिम पृष्ठभूमि से आते हैं।

चंद्रिका राय को तोड़कर नीतीश कुमार ने बड़ा ट्रंप कार्ड खेला है। चंद्रिका राय कभी लालू यादव के बेहद करीबी हुआ करते थे। रिश्ते में चंद्रिका राय लालू यादव के समधी भी लगते हैं। लेकिन अब रिश्ते सामान्य नहीं है। चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय की शादी तेज प्रताप यादव से हुई है। तेज़ प्रताप लालू यादव के बड़े बेटे हैं। ऐश्वर्या और तेज प्रताप के अनबन के बीच लालू और

चंद्रिका राय के परिवार के बीच रिश्ते खराब हो गए। इसी के कारण चंद्रिका राय ने राजद छोड़ जदयू का दामन थाम लिया। चंद्रिका राय बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा राय के बेटे हैं। यादवों के बीच यह परिवार प्रतिष्ठित माना जाता है। नीतीश कुमार इसे भावनात्मक मुद्दा बनाकर लालू परिवार पर यादव की बेटी का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि तेज प्रताप के खिलाफ खुद उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय जदयू के टिकट से चुनाव लड़ सकती हैं।

सारण प्रमंडल में यादवों का बोलबाला माना जाता है। खुद सारण प्रमंडल लालू यादव का गढ़ रहा है। ऐसे में चंद्रिका राय और ऐश्वर्या राय के सहारे नीतीश कुमार लालू यादव के मजबूत पकड़ को कमजोर कर सकते है। कभी बिहार केसरी माने जाने वाले राम लखन सिंह यादव को बिहार का बड़ा यादव नेता माना जाता था। उनके पोते जयवर्धन सिंह यादव हैं जो आरजेडी के विधायक होते हुए भी लालू परिवार पर कई आरोप लगा चुके है। अब वह नीतीश कुमार के साथ हैं। इनके सहारे नीतीश कुमार यादव के वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश करेंगे।

आरजेडी से नाराज फराज़ फातमी मिथिलांचल के बड़े मुस्लिम चेहरों में से एक हैं। वह अली अशरफ फातमी के बेटे हैं। अली अशरफ फातमी ने आरजेडी के साथ लंबा वक्त गुजारा है लेकिन अब आरजेडी ने उन्हें दरकिनार कर दिया है। ऐसे में उनका सहारा अब नीतीश कुमार बने हैं। नीतीश कुमार बाप और बेटे की जुगलबंदी कर मिथिलांचल में आरजेडी के एमवाई समीकरण को बिगाड़ सकते हैं। पिता जहां बुजुर्ग मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में करेंगे तो वहीं बेटा युवाओं को जोड़ने की कोशिश करेंगे। देखना होगा कि किस तरीके से नीतीश कुमार आरजेडी के खेमे में सेंध लगाते हैं। क्या आने वाले दिनों में आरजेडी के कुछ और मुस्लिम और यादव नेता जदयू में शामिल होते हैं या नहीं, यह भी देखना होगा।

आरजेडी पर रघुवंश प्रसाद का बड़ा हमला, कहा- महापुरुषों की जगह एक ही परिवार के 5 लोगों की फोटो छपने लगी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

बिहार में राजनीतिक हलचल तेज है। आरजेडी से इस्तीफा दे चुके रघुवंश प्रसाद सिंह पर सभी की नजर है। सभी की उत्सुकता इस बात को लेकर है कि आखिर रघुवंश प्रसाद सिंह आरजेडी छोड़ने के बाद किस दल का दामन थामते हैं। हालांकि इसको लेकर रघुवंश प्रसाद सिंह चुप हैं। लालू यादव ने भी उनके आरजेडी छोड़ने के फैसले पर एक चिट्ठी लिख दी है। इस चिट्ठी में लालू ने रघुवंश बाबू के स्वस्थ होने की कामना की और खुलकर कहा कि आप कहीं नहीं जा रहे हैं, समझ लीजिए। लेकिन ऐसा लगता है कि अब रघुवंश बाबू वापस आरजेडी में तो नहीं जा रहे। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि रघुवंश प्रसाद ने एक बार फिर से भावुक पत्र लिखा है। इस पत्र में रघुवंश बाबू ने आरजेडी पर परोक्ष तौर पर निशाना साधा है।

समाजवादी विचारधारा से प्रेरित रघुवंश बाबू ने अपनी चिट्ठी में जो पीड़ा जाहिर की है वह फिलहाल तेज प्रताप और तेजस्वी कुनबे के लिए पचा पाना नामुमकिन है। रघुवंश बाबू ने साफ तौर पर हमलावर रुख जारी रखते हुए कहा कि अब महापुरुषों की जगह राजनीतिक पोस्टरों पर एक ही परिवार के 5 लोगों का फोटो चस्पा कर दिया जाता है। माना जा रहा है कि रघुवंश प्रसाद ने लालू परिवार पर सीधा हमला किया है। साथ ही साथ उन्होंने आरजेडी में पोषित वंशवाद की राजनीति पर भी हल्ला बोला है। रघुवंश प्रसाद ने बिना नाम लिए लालू परिवार पर निशाना साधते हुए लिखा कि पद हो जाने से धन कमाना और धन कमाकर ज्यादा लाभ का पद खोजना आज की राजनीति का सिद्धांत बन गया है। अब महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, डॉक्टर लोहिया, बाबासाहेब और जननायक कर्पूरी ठाकुर की जगह एक ही परिवार के 5 लोगों की फोटो छपने लगी है।

रघुवंश प्रसाद ने आगे लिखा कि वर्तमान में राजनीति में इतनी गिरावट आ गई है कि लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, डॉक्टर लोहिया बाबासाहेब और जननायक कर्पूरी ठाकुर के नाम और विचारधारा पर लाखों लोग लगे रहे, कठिनाइयां सही लेकिन वह डगमग नहीं हुए। अब परिस्थिति बदलने लगी है। अब समाजवाद की जगह सामंतवाद, जातिवाद, वंशवाद, परिवारवाद और संप्रदायवाद आ गया है। यह वहीं बुराइयां है जिनके खिलाफ समाजवाद का उदय हुआ था। आखिर में उन्होंने लिखा कि राजद संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने पार्टी को खत लिखा लेकिन उसे पढ़ा तक नहीं गया। रघुवंश प्रसाद को लेकर अब जदयू आरजेडी पर हमलावर है। उधर, रघुवंश प्रसाद ने नीतीश कुमार को मनरेगा को लेकर एक पत्र लिखा है। इसके बाद से रघुवंश प्रसाद के आगे की राजनीतिक कदम को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे है। यह माना जा रहा है कि रघुवंश प्रसाद सिंह जदयू में शामिल हो सकते हैं। वह कई बार वैशाली से लोकसभा सांसद रहे हैं, केंद्र में मंत्री भी रहे हैं। उनकी विचारधारा के अनुसार जदयू ही उन्हें फिलहाल सूट करेगा। जदयू भी रघुवंश प्रसाद को लेकर सकारात्मक है। रघुवंश प्रसाद जनता से जुड़े हुए नेता हैं। ऐसे नेता हैं जिनकी पकड़ आज भी जमीन पर मजबूत है। इतना ही नहीं, वह राजपूत समाज से आते हैं। ऐसे में जदयू सवर्ण को साधने में भी कामयाब हो सकती है। फिलहाल रघुवंश प्रसाद सिंह दिल्ली के एम्स में भर्ती हैं। उनकी तबियत नाजुक बनी हुई है और उन्हें वेंटिंलेटर पर शिफ्ट किया गया है।

भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल ने श्रीलंका की नौसेना के साथ मिल तेल ले जा रहे पोत की आग बुझाई

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल ने श्रीलंका की नौसेना के साथ मिलकर तेल लदे टैंकर की आग बुझा पर्यावरण से जुड़े एक बड़े खतरे को टाल दिया। इस पोत पर इंडियन ऑयल कार्पोरेशन(आईओसी) द्वारा किराये पर लिया गया तेल से भरा सुपर टैंकर लदा था। तेल का रिसाव समुद्र में नहीं से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचने से बचा लिया गया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के प्रमुख श्रीकांत माधव वैद्य ने कहा कि यह कहानी बेहतरीन संयुक्त समन्वय और विविध प्रयासों की है। भारतीय तटरक्षक और भारतीय नौसेना ने श्रीलंका की नौसना के साथ मिलकर न्यू डायमंड पोत पर आग को सफलतापूर्वक बुझा लिया। न्यू डायमंड 20 साल पुराना विशाल कच्चा तेल वाहक पोत (वीएलसीसी) है। इसका संचालन न्यू शिपिंग करती है। यह पोत कुवैत के मिना-अल-अहमदी से 2,70,000 टन कच्चा तेल ओडिशा के पारादीप ले जा रहा था। इस पोत के इंजन कक्ष में तीन सितंबर को तड़के आग लग गई। उस समय यह जहाज श्रीलंका के पूर्वी तट से 38 नॉटिकल मील दूर था।

उन्होंने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया और 20 लाख बैरल (2,70,000 टन) कच्चा तेल सुरक्षित है। यह भारत और श्रीलंका की नौसना और तटरक्षकों का वृहद् प्रयास है और इस कार्य में कई जहाज और विमानों को लगाया गया। वहीं आग पर काबू पा लेने से पर्यावरण संबंधी विपदा को भी होने से रोक दिया गया क्योंकि अगर पोत में आग लगती या इससे तेल समुद्र में जाता तो पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच सकता था। उन्होंने बताया कि पोत पर मौजूद 22 कर्मियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया।आग पर काबू पाने और बचाव प्रयास से मॉरिशस जैसे संकट को टाला गया। जापान काजहाज एम वी वाकाशिओ 25 जुलाई को हिन्द महासागर में मॉरिशस के एक मूंगे की चट्टान में फंस गया था और छह अगस्त को जहाज से तेल का रिसाव शुरू हो गया। वैद्य ने कहा कि अब टीम पोत की क्षति का आकलन कर रही है और अगले कदमों पर निर्णय लेगी कि जहाज को ऐसे स्थान पर ले जाया जाए जहां से कच्चे तेल को किसी अन्य जहाज में के जरिये पारादीप लाया जा सके। यह पोत लाइबेरिया की पोर्टो इम्पोरियोस शिपिंग इंक की है और इसका तकनीकी और वाणिज्यिक संचालन ग्रीस की न्यू शिपिंग लिमिटेड करती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुक्ता गिरी जैन सिद्ध क्षेत्र

जहां आज भी होती है केसर-चंदन की वर्षा

दिगंबर जैनियों का सिद्धक्षेत्र भारत के मध्य में, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित है मुक्ता गिरी। मुक्ता गिरी मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में आता है। सतपुड़ा पर्वत की श्रृंखला में मन मोहनेवाले घने हरे-भरे वृक्षों के बीच यह क्षेत्र बसा हुआ है। जहां से साढ़े तीन करोड़ मुनिराज मोक्ष गए हैं। इसीलिए कहा जाता है -

अचलापूर की दिशा ईशान तहां मेंढागिरी नाम प्रधान।

साढ़े तीन कोटी मुनीराय तिनके चरण नमु चितलाय।।

जहां 250 फुट की ऊंचाई से जलधारा गिरती है। जिससे जलप्रपात निर्मित हुआ है। निसर्ग के हरे-भरे उन दृश्यों एवं पहाड़ों को देखकर हर मन प्रफुल्लित हो जाता है। इस स्थान को मुक्तागिरी के साथ-साथ मेंढागिरी भी कहा जाता है।

मुक्ता गिरी का इतिहास : एलिचपूर यानी अचलपुर में स्थित मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र को स्व. दानवीर नत्थुसा पासुसा कळमकर ने अपने साथी स्व. रायसाहेब रूखबसंगई तथा स्व. गेंदालालजी हीरालालजी बड़जात्या के साथ मिलकर अंग्रेजों के जमाने में खापर्डे के मालगुजारी से सन् 1928 में यह मुक्तागिरी पहाड़ मंदिरों के साथ खरीदा था। इस मुक्ता गिरी सिद्धक्षेत्र का इतिहास काफी रोमहर्षक है।

कहा जाता है कि उस समय शिकार के लिए पहाड़ पर जूते-चप्पल पहन कर जाते थे और जानवरों का शिकार करते थे। इसी वजह से, पवित्रता को ध्यान में रखते हुए यह पहाड़ खरीदा गया।

निर्वाण कांड में उल्लेख है कि इस

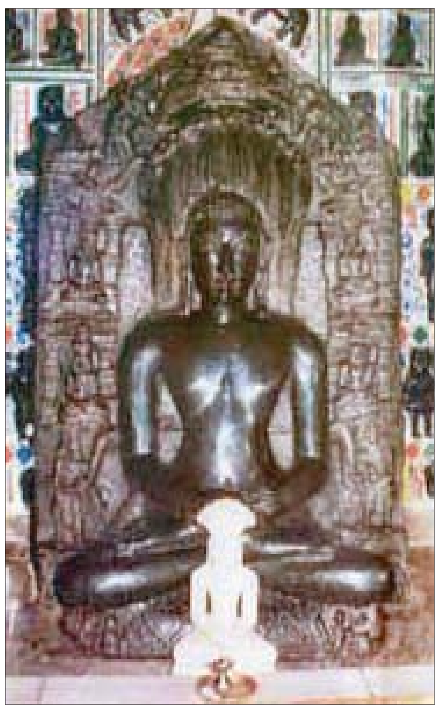

क्षेत्र पर दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ का समवशरण आया था। इसीलिए कहा जाता है कि मुक्ता गिरी पर मुक्ता बरसे। शीतलनाथ का डेरा। ऐसा उस वक्त मोतियों की वर्षा होने से इसे मुक्तागिरी कहा जाता है।

एक हजार वर्ष पूर्व मंदिर क्रमांक दस के पास ध्यान मग्न मुनिराज के सामने एक मेंढा पहाड़ की चोटी से गिरा। मुनिराज ने उसके कान में णमोकार मंत्र का उच्चारण किया। वह मेंढा मृत्यु के बाद स्वर्ग में देवगति प्राप्त होते ही मुनि महाराज के दर्शन को आया। तब से हर अष्टमी और चौदस को यहां केसर-चंदन की वर्षा होती है। इसी समय से इसे मेंढागिरी भी कहा जाता है।

जानिए धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा

जहां पहाड़ों से बहती जल की धारा

कटनी-इलाहाबाद रेल मार्ग में सतना से 70 किलोमीटर दूर धारकुंडी में प्रकृति और अध्यात्म का अनुपम मिलन देखने को मिलता है। सतपुड़ा के पठार की विंध्याचल पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित धारकुंडी में प्रकृति की अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पर्वत की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगल के बीच महाराज सच्चिदानंद जी के परमहंस आश्रम ने यहां पर्यटन और अध्यात्म को एक सूत्र में पिरो कर रख दिया है। यहां बहुमूल्य औषधियां और जीवाश्म भी पाए जाते हैं। माना जाता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर और दक्ष का प्रसिद्ध संवाद यहीं के एक कुंड में हुआ था जिसे अघमर्षण कुंड कहा जाता है। यह कुंड भूतल से करीब 100 मीटर नीचे है।

धारकुंडी मूलतः दो शब्दों से मिलकर बना है। धार तथा कुंडी यानी जल की धारा और जलकुंड। विंध्याचल पर्वत श्रेणियों के दो पर्वत की संधियों से प्रस्फुटित होकर प्रवाहित होने वाली जल की निर्मल धारा यहां एक प्राकृतिक जलकुंड का निर्माण करती है।

समुद्र तल से 1050 फुट ऊपर स्थित धारकुंडी में प्रकृति का स्वर्गिक सौंदर्य आध्यात्मिक ऊर्जा का अक्षय स्रोत उपलब्ध कराता है। यहां जनवरी में जहां न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री रहता है वहीं अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहता है। जून माह में न्यूनतम 20 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 45 डिग्री रहता है।

योगिराज स्वामी परमानंद जी परमहंस जी के सान्निध्य में सच्चिदानंद जी ने चित्रकूट के अनुसूया आश्रम में करीब 11 वर्ष साधना की। इसके बाद सच्चिदानंद जी महाराज 1956 में यहां आए और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को आश्रम के माध्यम से एक सार्थक रूप दिया। उनके आश्रम में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की मुफ्त में उत्तम व्यवस्था है।

विशेष है कि महाराज जी अपने खेतों में उपजे अन्न से ही अपने आगंतुकों को भोजन कराते हैं। भागम-भाग भरे जीवन के बीच कुछ दिन यहां आकर व्यक्ति को अध्यात्म और शांति का अनुपम अनुभव हो सकता है।

प्रकृति प्रेमी आध्यात्मिक लोग मध्य प्रदेश के सतना से यहां आ सकते हैं। सतना से प्रतिदिन एक बस यहां जाती है। इसके अलावा सतना के बस स्टैंड में स्थित परमहंस आश्रम की शाखा से भी यहां जाने के लिए जानकारी मिल सकती है। घनघोर जंगल, पर्वतों और झरनों के बीच स्थित परमहंस आश्रम में साधना के लिए योगी पुरुषों का आवागमन होते रहता है।

यहां आकर जीवन ठहर सा जाता है। मन को सुकून मिलता है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का तो कोई जवाब नहीं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है यहां का परमहंस आश्रम। पूज्य सच्चिदानंद जी के अध्यात्म ने धारकुंडी के सौंदर्य की महिमा को दैवीय बना दिया है। जिसका अनुभव प्रकृति प्रेमी व्यक्तियों को जरूर लेना चाहिए।

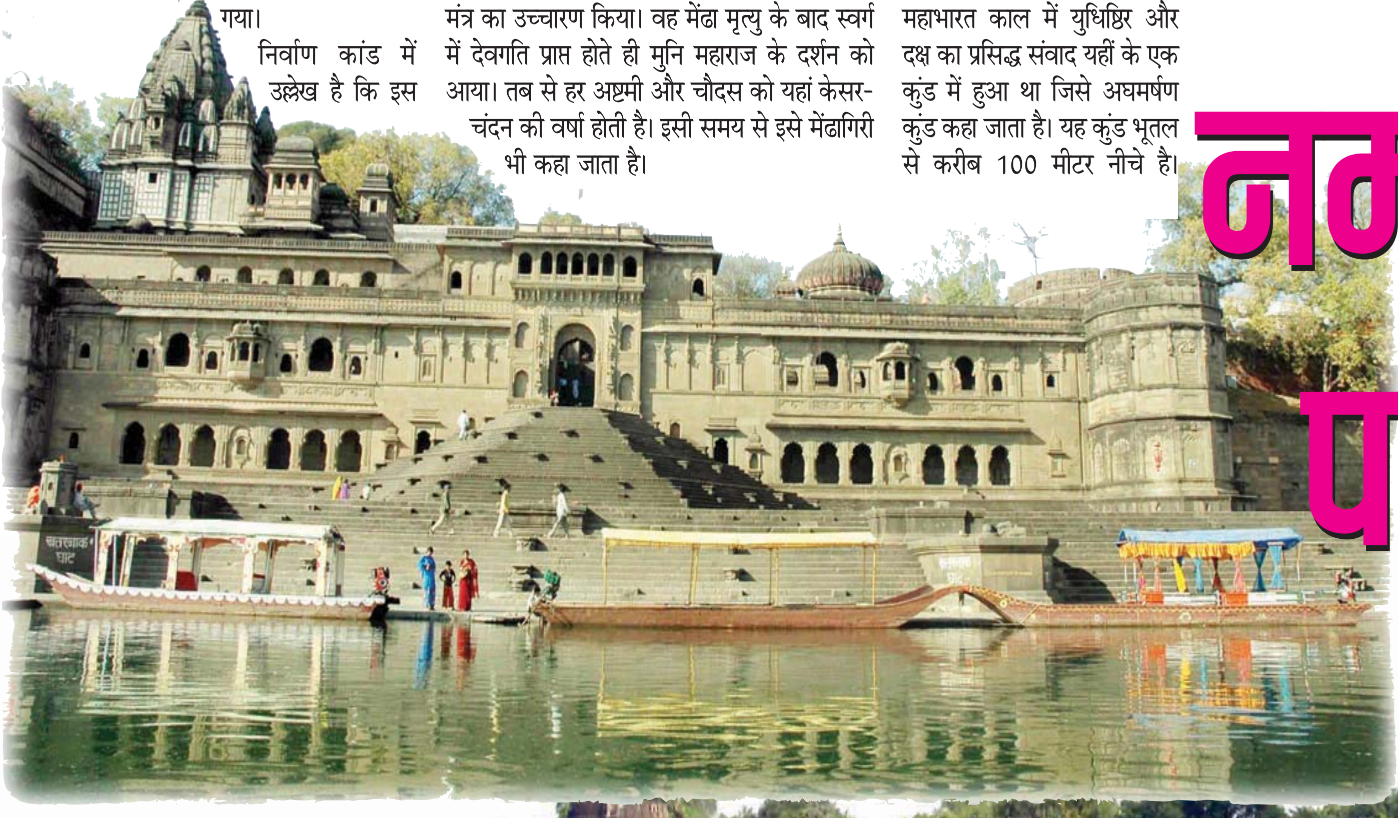

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं।

ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं।

इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं।

नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं।

सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णतः घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं।

पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

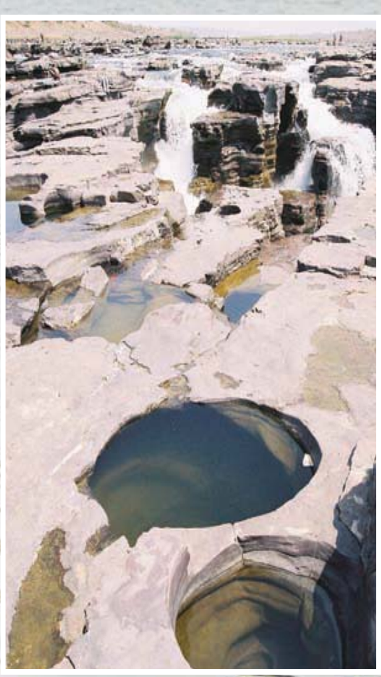

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किशोरी के साथ दुराचार, आरोपी गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। शुक्रवार रात खेत में शौच के लिए गयी एक किशोरी के साथ युवक ने दुराचार किया। किशोरी के शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़ पड़े। युवक मौके से फरार हो गया। पीड़िता को लेकर परिजन देर रात में ही थाने पहुंचे। पुलिस ने केस दर्ज कर महिला सिपाही की अभिरक्षा में किशोरी को मेडिकल को भेजा है। पुलिस ने शनिवार सुबह आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक हुजूरपुर थाने के एक गांव निवासी व्यक्ति की 16 वर्षीय बेटी शुक्रवार रात गांव के बाहर मैदान में शौच को गई थी। इसी दौरान एक युवक ने खेत में किशोरी के साथ दुराचार किया। किशोरी के शोर मचाने पर ग्रामीण लाठी डंडे लेकर दौड़ पड़े। जिसकी भनक मिलते ही हमलावर युवक फरार हो गया। बाद में परिजन ग्रामीणों के साथ ही पीड़िता को लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रेप की धाराओं में केस दर्ज कराकर किशोरी को मेडिकल को भेजा। वहीं शनिवार की सुबह आरोपी को भग्गड़वा के पास गिरफ्तार किया गया।

भाई की चिता पर खाई थी बदला लेने की कसम, इसलिए मार डाला

ग्रेटर नोएडा के अजनारा ली गार्डन सोसाइटी में डबल मर्डर की गुत्थी सुलझी

ग्रेटर नोएडा(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अजनारा ली गार्डन सोसाइटी में प्रॉपर्टी डीलर डालचंद उर्फ विराट और अरुण त्यागी की हत्या मामले में पुलिस ने फरीदाबाद के गांव पन्हेड़ा खुर्द के मोहित और उसके फूफा हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर सुरेश शर्मा को गिरफ्तार किया है। मोहित ने अपने भाई की हत्या का बदला लेने के लिए ये मर्डर करवाया है। मोहित के भाई कृष्ण की 2017 में मथुरा में हत्या कर दी गई थी।

कृष्ण की चिता पर मोहित ने बदला लेने की कसम खाई और फूफा के साथ साजिश रचकर डालचंद और उसके साथी की हत्या हरियाणा के शार्प शूटर डीलर और टेकचंद से करा दी। दोनों शार्प शूटर अभी भी फरार हैं।

डीसीपी सेंट्रल जोन हरीश चंदर ने बताया कि 7 सितंबर को डालचंद शर्मा अपने साथी अरुण त्यागी तथा दो अन्य के साथ ली गार्डन सोसाइटी में कार में बैठा था।

इसी दौरान दो आरोपियों ने दोनों तरफ से गाड़ी घेरकर डालचंद को 7 और अरुण त्यागी को 3 गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध दिखाई दिए थे। संदिग्धों की पहचान हरियाणा के शार्प शूटर टेकचंद और दयाराम उर्फ डीलर के रूप में हुई। वारदात मोहित के भाई की हत्या का बदला लेने के लिए की गई। आरोपी मोहित ने अपने भाई कृष्ण की चिता पर बदला लेने की कसम खाई थी।

इसका डालचंद को पता था, इसलिए वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट में नाम बदलकर रह रहा था।

आरोपी मोहित का फूफा सुरेश शर्मा दो हत्याओं में जेल में आजीवन की सजा काट रहा था, लेकिन लॉकडाउन में परोल पर जेल से बाहर आया था।

उसने ही अपने शूटरों को बुलाकर हत्याकांड को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया कि सोसाइटी में हत्याकांड को अंजाम देने के लिए कृष्ण का दोस्त ओमवीर भी शूटरों के साथ पहुंचा। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद वह मौके से शूटरों को लेकर भाग गया।

प्रधानमंत्री के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करने पर अवर अभियंता निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करने और स्वयं का भावी विधायक बताने वाले अवर अभियंता नलकूप, वाराणसी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

प्रमुख अभियन्ता (यांत्रिक) देवेन्द्र अग्रवाल की ओर से शनिवार को निलम्बन आदेश जारी कर दिया गया है।

अवर अभियन्ता (यांत्रिक) नलकूप खण्ड–प्रथम, जनपद वाराणसी प्रवीण कुमार को अपने फेसबुक वाल पर प्रधानमंत्री के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए अमर्यादित टिप्पणी करने, राजनीतिक दलों के साथ फोटो शेयर, फेसबुक पर चकिया विधान सभा के भावी विधायक के रूप में फोटो शेयर करते हुए उत्तर प्रदेश तथा केन्द्र सरकार की नीतियों का विरोध एवं बीती 26 अगस्त से बिना सूचना व अवकाश के अनुपस्थित रहने तथा मुख्य अभियन्ता, नलकूप वाराणसी तथा जिलाधिकारी वाराणसी द्वारा निलम्बित करने की संस्तुति के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। इसके साथ ही प्रवीण कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई संस्थित करते हुए निलम्बन की अवधि में उन्हें मेरठ कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है।

दलित महिला की जमीन कब्जा करने पर सपा जिलाध्यक्ष सहित तीन गिरफ्तार

प्रतापगढ़ (एजेंसी)। जिले के थाना मानिकपुर पुलिस ने दलित महिला की जमीन कब्जा करने के मामले में शनिवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व उनके निजी सुरक्षा कर्मियों सहित तीन लोंगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। बाद में पुलिस ने दलित की जमीन कब्जा करने के आरोप में सपा जिलाध्यक्ष व उनके निजी सुरक्षा कर्मी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी बयान के अनुसार थाना मानिकपुर पुलिस ने शनिवार को दलित महिला गायत्री हरिजन की लिखित तहरीर के आधार पर उसकी जबरन जमीन कब्जा और मारपीट कर दो लोगों को घायल करने के आरोप में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व उनके निजी सुरक्षा कर्मी रामसिंह यादव सहित तीन लोंगों के विरुद्ध दलित उत्पीड़न एससी एसटी अधिनियम और भादवि की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

मामला दर्ज होने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, शेष की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम लगायी गयी है।

पुलिस के मुताबिक सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वादिनी गायत्री हरिजन ने आरोप लगाया है कि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व उनके निजी सुरक्षा कर्मियों रामसिंह यादव आदि ने दबंगई से उसकी जमीन पर कब्जा करने की नियत से पहुंचे और उसके परिवार के दो युवकों को मारा पीटा जिससे गंभीर चोटें आयी है।

मुख्तार–अतीक सहित कई माफियाओं की करोड़ों की संपत्ति जब्त

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बाहुबली विधायक और माफिया मुख्तार अंसारी और पूर्व सांसद अतीक अहमद सहित कई माफियाओं पर कार्रवाई कर इनकी अवैध संपत्ति जब्त कर ली है या फिर इनके अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलवा दिया है।

चाहे वह मुख्तार अंसारी हो, अतीक अहमद हो या फिर पूर्व मंत्री आजम खान। सब के ऊपर योगी सरकार का शिकंजा कसता ही जा रहा है।

अपराध और अपराधियों के खिलाफ प्रदेश में चलाये जा रहे अभियान के तहत मऊ सदर के बाहुबली विधायक मुख्तार के आर्थिक साम्राज्य को तोड़ने के लिए पुलिस द्वारा मुख्तार गैंग को फंडिंग करने वाले और करीबी बदमाशों पर पुलिस ने कड़ा शिकंजा कसा है।

मुख्तार के गुर्गों की अवैध संपत्तियों को पुलिस ने कुर्क करके मुख्तार अंसारी के आर्थिक साम्राज्य

योगी सरकार ने उत्तरप्रदेश में माफियाओं के करीबियों पर भी कसा शिकंजा

की नींव हिला दी है। पुलिस ने मुख्तार अंसारी गिरोह के शूटर बृजेश सोनकर की 60 लाख की संपत्ति को पुलिस ने उसके मोहल्ले में जाकर कुर्क किया।

मऊ जनपद सहित पूरे पूर्वांचल में मुख्तार अंसारी का एक बड़ा मछली गिरोह दशकों से काम कर रहा था। इस गिरोह के लोग अवैध रूप से अन्य प्रदेशों से मछली लाकर बेचा करते थे। अंसारी गैंग के करीबी मछली माफिया पारसनाथ सोनकर की 8 करोड़ की जमीन और मकान को पुलिस ने नोटिस लगाकर कुर्की कर ली।

मुख्तार को फंडिंग करने वाले कोयला माफिया की 6.5 करोड़ की संपति को पुलिस ने कुर्क किया। मऊ जिले में मुख्तार अंसारी के करीबी द्वारा संचालित अवैध बूचड़खाना की लगभग 40 लाख रुपये कीमत की बिल्डिंग को गिरा दिया। जिले के थाना दक्षिणटोला क्षेत्र के ग्राम पंचायत रैनी में मुख्तार अंसारी की पत्नी और साले के नाम पर बने एफसीआई गोदाम की दीवार को पुलिस ने लाखों रुपये की जमीन को कब्जा मुक्त कराया।

सीएम योगी का सख्त निर्देश, शारदीय नवरात्र से पहले गड्ढा मुक्त हो यूपी

कोरोना का सामना करते हुए प्रदेश विकास परियोजनाओं को सतत जारी रखा जाए

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी शारदीय नवरात्र से पूर्व प्रदेश को गड्ढा मुक्त बनाने का लक्ष्य अधिकारियों को दिया है। सीएम ने कहा कि किसी भी बीमारी में उपचार से महत्वपूर्ण बचाव और जागरूकता है। इस दृष्टि से कोविड–19 के प्रोटोकॉल का अनुपालन सबके हित में है। कोरोना की चुनौती का सामना करते हुए प्रदेश विकास परियोजनाओं को सतत जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा है कि बरसात का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है। कार्ययोजना बनाकर सड़कों की गड्ढा मुक्ति का अभियान युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया जाए।

मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुरादाबाद मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान जनपद अमरोहा, बिजनौर, रामपुर, संभल और मुरादाबाद के जिलाधिकारियों से प्रस्तावित/संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति का विवरण प्राप्त कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय पर जोर देते हुए सीएम योगी ने कहा कि अधिकारीगण जन भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहें और शासन की योजनाओं से जनता को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सबको आवास मुहैया कराने के संकल्पों के क्रम में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा योजनाएं संचालित की जा रही हैं। यह योजनाएं केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए है। यह सुनिश्चित किया जाए कि इन योजनाओं का लाभ केवल पात्र जनों को ही प्राप्त हो। अपात्रों को आवास आवंटन की शिकायत मिली तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

कमरे में आग लगने से जिंदा जले एक ही परिवार के तीन लोग, मौत

शार्ट–शर्किट से घर में लगे कूलर में आग लगने के बाद हुआ हादसा

जौनपुर(एजेंसी)। जौनपुर जिले में शनिवार को एक कमरे में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई।

जौनपुर जिले के सोईथा गांव में शॉर्ट–सर्किट से कमरे में आग लगने से कमरे में सो रही मां सविता देवी (30), पुत्र दिव्यांश (4) और दिग्विजय (8) जिंदा जल गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के सोईथा गांव निवासी मनोज कुमार गांव के कोटेदार हैं। दोपहर का खाना खाने के बाद पत्नी सविता देवी दो बेटों के साथ कमरे में सोने चली गई। मनोज गांव के पोखरे पर चले गए, जबकि परिवार के अन्य सदस्य भी अपने कामों में लग गए थे। बताया जाता है कि शार्ट–शर्किट से घर मे लगे कूलर आग लगने के बाद घर में आग लग गई।

कमरे से तेज धुआं निकलने पर परिवार के लोगों की नजर पड़ी तो वह दरवाजा पीटकर अंदर सो रही सविता व बच्चों को जगाने लगे।

काफी कोशिशों के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो कुंडी तोड़कर लोग अंदर पहुंचे, वहां भीषण आग लगी हुई थी।

बिजली के उपकरण व तार जल रहे थे। लकड़ी का बेड, गद्दा, फर्नीचर सहित सब आग में जल गए थे। सविता और दिव्यांश की मौत हो चुकी थी।

दिग्विजय की सांस चल रही थी। आनन–फानन में उसे लेकर परिजन मड़ियाहूं सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीआईजी कानपुर नगर व जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा राजकीय बाल गृह (बालिका) स्वरूप नगर का निरीक्षण

कानपुर नगर। डीआईजी कानपुर नगर व जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा राजकीय बाल गृह (बालिका) स्वरूप नगर का निरीक्षण किया गया । राजकीय बाल गृह बालिका में विगत 10

सितंबर 2020 की रात्रि को दो बालिकाएं गायब हो गई थी। जिसके दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा तत्काल नगर मजिस्ट्रेट षष्टम को उसकी जांच दी थी । उनकी जांच में जिनकी लापरवाही के करण उक्त घण्टना घटित हुई थी उन लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही के लिए लिख दिया गया है। जिलाधिकारी ने जिला प्रोवेशन अधिकारी को चेतावनी देते हुए कहा कि जो घटना घटित हुई है ।यह चिन्ता का विषय है ।अब भविष्य में ऐसी घटना नही घटनी चाहिए । उन्होंने ने निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त व्यवस्थाओ को पूर्ण कराते हुए उनके द्वारा प्रति सप्ताह यहां का निरीक्षण किया जाए । तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि समस्त व्यवस्थाएं दुरुस्त रहे । उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की बच्चों को पोषण सामग्री आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा उपलब्ध कराए ।तथा किशोरियों की देखरेख केलिए यहां आने वाली स्वस्थ्य विभाग की टीम लगातार आए इसके इसको मुख्य चिकित्सा सुनिश्चित कराते हुए जो रोस्टर के अनुसार जिन महिला डॉक्टर की ड्यूटी लगाई गई थी वह साप्ताहिक आए यह सुनिश्चित कराया जाए। तथा मानशिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञ आए तथा बच्चों की शरीतिक प्रतिरोधक क्षमता बढाने के लिए उन्हें प्रोटीन युक्त भोजन अवश्य दिया जाये ।

डीआईजी महोदय ने निर्देशित करते हुए कहा कि निराश्रित बच्चियों की सूचना missing the childline ट्रैक में अपलोड कराये।

निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट षष्टम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी कानपुर नगर व मुख्य चिकित्सा अधिकारी कानपुर नगर द्वारा हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण

कानपुर नगर। जिलाधिकारी कानपुर नगर व मुख्य चिकित्सा अधिकारी कानपुर नगर द्वारा पुनः गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोविड 19 प्रोटोकॉल के अनुसार समस्त व्यवस्थाएं व विशेषज्ञ डॉक्टर की

उपस्थित मिली। जिलाधिकारी ने आईसीयू में उपस्थित डॉक्टर से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से उनके द्वारा किए जा रहे, इलाज के विषय मे जानकारी की । उन्होंने उपस्थित स्टेटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुए कहा कि आपकी

ड्यूटी विशेष निगरानी के लिए लगाई गई है। प्रतिदिन आने वाले डॉक्टर की का रोस्टर देखना है कि कोन डॉक्टर ड्यूटी में आए था किस समय गए । जिलाधिकारी ने कहा कि स्टैटिक मजिस्ट्रेट को यह भी देखना है कि 24 घंटे में कितने मरीज अस्पताल से रेफर हुए तथा कितने मरीज अस्पताल में एडमिट हुए व कितने मरीजों की मृत्यु हुई। रेफर हुए मरीजों व

जिनकी मृत्यु हुई है । उनके परिजनों से भी बात कर जानकारी करे कि वह कब एडमिट हुए थे और किस कारण से उन्हें रेफर करवा रहे है। उनके मरीज की हालत वर्तमान में कैसी है ।इसी तरह जिनकी मृत्यु हुई है वह कब पॉजिटिव हुए थे कितने दिन एडमिट रहे की जानकारी उनके परिजनों से एकत्र करनी है ।जिसकी पूरी डिटेल बनाकर प्रतिदिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की अन्य व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी की।

उन्होंने ने आईसीयू बेड की क्षमता बढ़ाने के लिए निर्देशित किया तथा समस्त व्यवस्थाएं मानक के अनुरूप पूर्ण करते हुए स्पेशलिस्ट डॉक्टर की नियुक्ति करने के लिए निर्देशित किया।

सार–समाचार

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

कानपुर(घाटमपुर) घाटमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुजानपुर पोस्ट कोटरा मकरंदपुर जनपद कानपुर नगर मे अखिलेंद्र प्रताप सिंह पुत्र राम सजीवन अचानक बिजली का करंट लग जाने के कारण मृत्यु हो गई जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। घटना कल लगभग 9:30 बजे की है पुलिस को जानकारी देने पर पोस्टमार्टम हाउस कानपुर के लिए भेजा गया है मृतक की चार लड़की है बड़ी लड़की की उम्र लगभग 10 वर्ष है। मकरंदपुर जिला पंचायत क्षेत्र के सदस्य जिला पंचायत युवा नेता मीरा अमर सिंह निषाद तत्काल सूचना पर पहुंचे दुखी परिवार को ढांढस बंधाया।

सर्प दंश से बुजुर्ग की मौत

कानपुर(घाटमपुर)भीतरगांव चौकी क्षेत्र के कुम्हुपुर गांव मे सुबह 11 बजे राम औतार सविता उम्र 68 जो गांव के बाहर एक

मृतक राम अवतार सविता (68)

बगीचे में अपना आश्रम बना के रहते थे।करीब 11 बजे सुबह सर्प ने काट लिया परिजन आनन फानन भीतरगांव सीएचसी लेकर गए लेकिन सीएचसी बंद होने के कारण परिजनों को घाटमपुर सीएचसी ले जाना पड़ा ।जहा उपचार के दौरान मौत हो गई ।

नये कप्तान ने कमान सम्भालते ही की प्रेस वार्ता

उन्नाव नवागत कप्तान वर्ष 2008 बैच के आई पी एस आनंद कुलकर्णी ने लिया कार्य भार ,पुलिस लाइन सभागार पहुंच की पत्रकारों से भेट वार्ता ,बोले कोरोना का समय चल रहा है फिर भी कानुन व्यवस्था का पालन कराया जाएंगा।

अपर पुलिस अधीक्षक आई पी एस धवन जायसवाल भी मौजूद रहे।

क्षेत्राधिकारी हसनगज द्वारा किया गया परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण

उन्नाव,क्षेत्राधिकारी हसनगंज द्वारा थाना कोतवाली उन्नाव तथा कोतवाली अजगैन के अंतर्गत पड़ने वाले पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा

केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा ड्यूटिओं को चेक कर मौजूद पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

सपा एमएलसी राजपाल कश्यप निकले कोरोना पॉजिटिव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी ने पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) डॉ. राजपाल कश्यप की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। उन्होंने सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षण लगने पर जांच कराई थी। डॉक्टरों की परामर्श पर राजपाल कश्यप ने खुद को घर पर आइसोलेट किया है। उन्होंने एक हफ्ते के भीतर संपर्क में आये लोगों से कोरोना जांच कराने की अपील की है। विदित हो कि बीते सोमवार सपा के ही एमएलसी एसआरएस यादव की कोरोना से मौत हो गई थी।

इसके अलावा पार्टी के विधानमंडल दल के नेता राम गोविंद चैधरी के साथ ही छह–सात विधायकों का संजय गांधी पीजीआई में इलाज चल रहा है जबकि पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव सहित कई विधायक व विधान परिषद सदस्य भी स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं।

यूपी पुलिस बनी अत्याचार व अन्याय का पर्याय–अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि मुख्यमंत्री और डीजीपी चाहे जितने प्रवचन दें पुलिस की कार्यशैली बदलने वाली नहीं है। भाजपा सरकार के जंगलराज में पुलिस मित्र तो नहीं बन सकी, अत्याचार और अन्याय का पर्याय जरूर बन गई है। अपराधियों को जरा भी खौफ नहीं रह गया है। वे बेखौफ हो भी क्यों न जब पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी भी उनकी साजिशों में शरीक हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश में जनता के जानमाल की सुरक्षा नहीं रह गई है।

सपा मुखिया ने शनिवार को यहां विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए अपने बयान में कहा कि उप्र में फर्जी एनकाउण्टर और हिरासत में मौतों की तमाम घटनाओं का स्वतः संज्ञान लेकर मानवाधिकार आयोग प्रदेश की भाजपा सरकार को कई नोटिसें भेज चुका है। लेकिन पुलिस को न सुधरना था, न सुधरना है। उन्होंने कहा कि हिरासत में हत्या, फर्जी एनकाउण्टर, लूट और हत्या की बढ़ती घटनाओं पर पुलिस के गैर जिम्मेदाराना और संवेदनहीन व्यवहार के कारण देश ही नहीं विदेशों तक में राज्य की बदनामी हो रही है।

हत्या कर सड़क किनारे झाड़ियों में फेंका शव

बाराबंकी (एजेंसी)। जिले के देवा थाना क्षेत्र में किसान पथ रिंग रोड के निकट सड़क के किनारे झाड़ियों में शव मिलने की सूचना से हड़कम्प मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अधेड़ के सिर व शरीर पर चोट के निशान स्पष्ट थे। माना जा रहा है कि उसकी हत्या कर शव को फेंक दिया गया। अधेड़ की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

जानकारी के मुताबिक देवा थाने में किसान पथ के रिंग रोड पर बबुरिहा गांव के लोग सुबह खेत की ओर से निकल रहे थे। इस दौरान उनकी नजर सड़क के किनारे झाड़ियों में पड़े एक शव पर पड़ी। ग्रामीणों की सूचना पर देवा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। मौके पर झाड़ियों के बीच अधेड़ का शव पड़ा था। पुलिस ने शव बाहर निकाला तो उसके ऊपर हिस्से में एक भी कपड़ा नहीं था। नीचे सिर्फ लोवर पहने हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानव तस्करी का पर्दाफाश, बांग्लादेशी लड़कियों से कराया जाता था देह व्यापार

सूरत पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी का पर्दाफाश करते हुए बांग्लादेशी लड़कियों को मुक्त करा लिया।

सूरत में स्पा की आड़ में इन लड़कियों से देह व्यापार करवाया जाता था। बांग्लादेश पुलिस से मिली सूचना के आधार पर सूरत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन शख्सों को भी गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक बांग्लादेशी लड़कियों और छोटी बच्चियों को किसी प्रकार सीमा पार करवा सूरत लाया जाता था। बांग्लादेश से लाई गई इन लड़कियों को स्पा में बंधक बनाकर रखा जाता था और उनसे देह व्यापार करवाया जाता था।

बांग्लादेश पुलिस ने इन लड़कियों के बारे में सूरत पुलिस को सूचना दी थी। बांग्लादेश पुलिस ने सूरत पुलिस को बताया कि उनके देश की लापता दो लड़कियां सूरत में हैं। सूचना के आधार पर हरकत में आई सूरत पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए दोनों लड़कियों को एक स्पा से मुक्त करा लिया। साथ ही इन लड़कियों से देह व्यापार कराने वाले तीन शख्सों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की संभावना है।

गुजरात के तीन जिले कभी भी हो सकते हैं कोरोना मुक्त

अहमदाबाद गुजरात के पोरबंदर, डांग और तापी समेत तीन जिलों को कोरोना से मुक्ति मिल सकती है।

इन तीन जिलों में कोरोना के 30 से भी कम एक्टिव केस हैं। जिसमें एक जिला ऐसा है, जहां कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई। गुजरात में कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है सितंबर की शुरुआत से राज्य में 1300 से अधिक पॉजिटिव केस सामने आ रहे हैं। बीते शुक्रवार को 1344 नए केस दर्ज हुए थे और 16 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई थी।

जबकि 1240 मरीज कोरोना को मात देकर ठीक हुए थे। राज्य में रिकवरी रेट 82.43 प्रतिशत है और अब तक 91470 लोग इस रोग से निजात पा चुके हैं।

गुजरात में अब तक कुल 110971 केस दर्ज हो चुके हैं। हांलाकि राज्य में केवल 16318 एक्टिव केस हैं। राज्य के तीन जिले ऐसे हैं, जहां एक्टिव केसों की संख्या 30 से भी कम है। दक्षिण गुजरात के तापी जिले में कोरोना के केवल 12 एक्टिव केस हैं और अब तक 4 मरीजों की मौत हो चुकी है ।

जबकि सौराष्ट्र के पोरबंदर जिले में 17 एक्टिव केस हैं और यहां भी 4 मरीजों की मौत हुई है।

वहीं दक्षिण गुजरात के डांग जिले में 26 एक्टिव केस हैं।

डांग जिले में कोरोना से अब तक किसी की मौत नहीं हुई।

डांग में कुल 9705 टेस्ट किए गए हैं। कोरोना संक्रमित 52 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और फिलहाल 352 लोग कोरन्टाइन हैं।

पति के प्रेम पत्रों को पढ़ 60 साल की वृद्धा हुई बेहोश

वडोदरा पति के विवाहेतर संबंधों को लेकर वडोदरा की एक वृद्धा को ऐसा आघात लगा कि उसने आत्महत्या करने की ठान ली।

हांलाकि अभयम टीम द्वारा समझाए जाने के बाद वृद्धा ने आत्महत्या का विचार छोड़ दिया।

वडोदरा में 60 वर्षीय वृद्धा तीन संतानों की माता है और उनका पति एक निजी कंपनी में नौकरी करता है।

हाल ही में वृद्धा के पति की तिजोरी गलती से खुली रह गई। वृद्धा जब खुली तिजोरी बंद करने गई तब उसमें सामान अस्तव्यस्त पड़ा था। वृद्धा अस्तव्यस्त सामान व्यवस्थित रखने लगी।

उस दौरान वृद्धा के हाथ पुराने पत्रों का बंडल हाथ लग गया। आखिर पुराने पत्र पति ने क्यों संभाल रखे, यह जानने की वृद्धा में उत्सुकता हुई और वह एक के बाद एक पत्र को पढ़ने लगीं जैसे जैसे वृद्धा पत्र पढ़ती गई उसकी बेचैनी बढ़ती गई। पत्र पति के बीते 30 साल के विवाहेतर संबंधों की पोल खोल रहे थे। पति के विवाहेतर संबंधों का पता चलते ही वृद्धा बेहोश हो गई।

उपचार के बाद वृद्धा को होश आ गया, लेकिन वह डिप्रेशन में चली गई ।

पति के संबंधों ने मानों वृद्धा को तोड़ दिया था और उसने आत्महत्या का फैसला कर लिया। लेकिन वृद्धा ने अभयम महिला हेल्पलाइन को फोन किया था। वृद्धा की आपबीती सुनकर अभयम की टीम वृद्धा के घर पहुंच गई और उसे समझाने लगी।

वृद्धा के समझाने के बाद आखिरकार वृद्धा ने आत्महत्या करने का विचार छोड़ दियां।

पूर्व नौसेना अधिकारी पर हमले के विरोध में युवक ने उद्धव ठाकरे को भेजी लिपस्टीक

सूरत मुंबई में बीएमसी द्वारा बोलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की ऑफिस में तोड़फोड़ करने और उसके बाद नौसेना के पूर्व अधिकारी पर शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा हमले किए जाने की घटना को लेकर देशभर में आक्रोश है।

इन घटनाओं की सूरत में भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। सूरत के एक युवक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिपस्टीक भेजकर घटनाओं के खिलाफ विरोध जताया है।

बोलीवुड अभिनेता सुशांतसिंह की संदिग्ध मौत को लेकर कंगना रनौत लगातार महाराष्ट्र सरकार पर प्रहार कर रही थीं। जिसके जवाब में शिवसेना प्रवक्ता और सांसद संजय राउत ने कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया। बाद में बीएमसी द्वारा कंगना रनौत की ऑफिस में तोड़फोड़ की गई ।

इस घटना से लोगों में आक्रोश भड़क उठ गया।

हद तब हो गई जब शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने एक बुजुर्ग और नौसेना के पूर्व अधिकारी मदन शर्मा पर हमला कर दिया।

मदन शर्मा की गलती यह थी कि उन्होंने उद्धव ठाकरे पर एक कार्टून फारवर्ड कर दिया।

जिसे लेकर शिवसेना के कार्यकर्ता इतने तिलमिला गए कि मदन शर्मा को घर से बाहर निकाला और दौड़ा दौड़ा कर पीटा।

शिवसेना की इस गुंडागर्दी से गुस्साए सूरत के युवराज पोखरन नामक युवक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिपस्टिक भेजकर राजनीति छोड़ देने की अपील की है।

युवराज ने कहा कि पहले कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग और बाद में उनकी ऑफिस तोड़ दी गई।

शिवसेना इतने पर नहीं रुकी। देश के लिए जीवन समर्पित करने वाले नौसेना के पूर्व अधिकारी मदन शर्मा के साथ शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा जो गुंडागिरी की गई है वह बेहद निंदनीय है।

ऐसी घटना की निंदा करते हुए मैंने उद्धव ठाकरे के निवास मातोश्री पर लिपस्टीक भेजकर राजनीति छोड़ देने की अपील की है।

राज्य सरकार ने फीस नियमन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की

अहमदाबाद राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा और सूरत समेत चार जोन में फीस नियमन समिति अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की है।

राज्य सरकार ने 25 सितंबर 2017 को अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा और सूरत समेत चार जोन में फीस नियमन समिति का गठन किया था।

गुजरात सेल्फ फाइनांस स्कूल एक्ट 2017 मुताबिक जिन सदस्यों की नियुक्ति के तीन साल पूर्ण हो चुके हैं या उनकी आयु 65 वर्ष हो गई है, उनके स्थान पर अन्य सदस्यों की नियुक्ति के बारे में सरकार विचार कर रही थी। समिति के मौजूदा अध्यक्ष और सदस्यों की अवधि बढ़ाने या आयु सीमा पूर्ण होने के मामले में नए सदस्यों की नियुक्ति के बारे में विचार के बाद राज्य सरकार ने अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा और सूरत समेत चार जोन में अध्यक्ष और सदस्यों की अगले तीन साल के लिए नियुक्ति की है।

जिला शिक्षाधिकारी को अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सूरत समेत चार जोन में इस समिति के कॉआर्डिनेट के तौर पर काम करना होगा।

हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश केए पुंज को अहमदाबाद जोन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जबकि वडोदरा जोन में निवृत्त जिला जज गणपतसिंह राणा, राजकोट जोन में निवृत्त जिला जज एचपी बक्शी और सूरत जोन में निवृत्त जिला जज अशोक एम दवे को फीस नियमन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

चारों जोन में अध्यक्ष समेत 5 सदस्य होंगे।

अहमदाबाद-हावड़ा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 18 सितंबर से सप्ताह में तीन दिन चलेगी

अहमदाबाद पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में सप्ताह में एक दिन (सोमवार) चलाई जा रही अहमदाबाद–हावड़ा स्पेशल को, दिनांक 18 सितंबर 2020 से सप्ताह में 3 दिन चलाने का निर्णय लिया गया है।

मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया कि दिनांक 15 सितम्बर 2020 से ट्रेन संख्या 02834 हावड़ा–अहमदाबाद स्पेशल प्रति मंगलवार,शुक्रवार व रविवार हावड़ा से तथा ट्रेन संख्या 02833 अहमदाबाद–हावड़ा स्पेशल 18 सितम्बर 2020 से प्रति शुक्रवार, सोमवार व बुधवार को अहमदाबाद से चलेगी। इन अतिरिक्त फेरों का आरक्षण 14 सितम्बर 2020 से प्रारम्भ होगा।

विवादों के बीच कंगना रनौत ने ट्वीटर पर सोमनाथ मंदिर की तस्वीर साझा की

अहमदाबाद महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ तकराल के बीच कंगना रनौत सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय हैं और बेबाकी से अपनी बात रख रही हैं।

अब कंगना रनौत ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक सौराष्ट्र स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा करती अपनी एक तस्वीर ट्वीटर जारी की है। इस ट्वीट और तस्वीर के माध्यम से शिवसेना पर एक बार फिर हमला किया है। अपने ट्वीट में कंगना रनौत ने लिखा "सुप्रभात दोस्तों यह फोटो सोमनाथ टेम्पल की है, सोमनाथ को कितने दरिंदों ने कितनी बार बेरहमी से उजाड़ा। मगर इतिहास गवाह है कि क्रूरता और अन्याय कितने भी शक्तिशाली क्यूं न हो आखिर में जीत भक्ति की होती है। हर हर महादेव।"

एसओजी ने 3 लाख की हेरोइन के साथ एक शख्स को किया गिरफ्तार

राजकोट रूरल एसओजी ने जेतपुर से हेरोइन के साथ एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। शख्स से बरामद हेरोइन की कीमत 3 लाख बताई गई है। जानकारी के मुताबिक राजकोट रूरल एसओजी पूर्व सूचना के आधार पर जिले के जेतपुर की सब्जी मंडी के निकट वॉच पर थी। उस वक्त दरगाह के निकट रहनेवाले मेहबूब उर्फ मेबलो हारून परमार नामक शख्स को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। तलाशी में मेहबूब के पास से 3.80 एमएल हेरोइन बरामद हुई। जिसकी तीन लाख बताई गई है। पुलिस ने मेहबूब से रु. 3.80 लाख का माल सामान जब्त कर वह हेरोइन कहां से लाया था और किसे देनेवाला था इत्यादि की जांच शुरू की है।

गुजरात में 90 प्रतिशत आयोजक गरबा आयोजन के लिए तैयार नहीं

अहमदाबाद एक ओर गुजरात सरकार नवरात्रि पर गरबा आयोजन को मंजूरी देने पर विचार कर रही है। दूसरी ओर 90 प्रतिशत बड़े आयोजकों ने इस वर्ष गरबा आयोजन करने से इंकार कर दिया है। राज्य में कोरोना की मौजूदा स्थिति और लोगों की सुरक्षा व उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजकों ने यह फैसला किया है।

आयोजकों का कहना है कि बड़े गरबा स्थल पर हजारों की संख्या में लोग आते हैं, जिसमें सोशल डिस्टेंस बरकरार रखना संभव नहीं है।

यदि गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो कोरोना संक्रमण तेजी से फैलेगा। इसलिए इस साल गरबा का आयोजन नहीं करना ही लोगों के हित में होगा।

वहीं 10 प्रतिशत आयोजकों का कहना है कि वह राज्य सरकार की गाइडलाइन का इंतजार कर रहे हैं।

यदि सरकार मंजूरी देती है तो गरबा आयोजन पर विचार करेंगे। गुजरात के ज्यादातर चिकित्सकों ने भी इस वर्ष गरबा कार्यक्रम को मंजूरी नहीं देने की मांग की है। अहमदाबाद मेडिकल एसोसिएशन ने सरकार से गरबा कार्यक्रम को मंजूरी नहीं देने की पेशकश की है।

चिकित्सकों का कहना है कि गरबा कोई जीवन जरूरी वस्तु नहीं हैद्य कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए इस बार गरबा पर रोक लगाना जरूरी है।

गरबा आयोजन की असमंजस की स्थिति के बीच गरबा खेलने के शोखीनों ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कोरोना संक्रमण से बचने के बचने केलिए खास मास्क और ग्लॉव्स तैयार किए हैंद्य मास्क और ग्लॉव्स में पीएम मोदी कोरोना वायरस को कुचलते बताए गए हैं। मास्क और ग्लॉव्स में सैनिटाइजर, पीपीई किट समेत चश्मे भी बनाए गए हैं। गरबा शोखीन राज्य सरकार से गरबा आयोजन की मंजूरी देने की मांग कर रहे हैं। गरबा शोखीन इस उम्मीद के साथ गरबा की तैयारियों में जुट गए हैं कि सरकार गरबा आयोजन को मंजूरी देगी।

पर्यावरण संरक्षण के साथ इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम व इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाने को दी प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

गुजरात डाइस्टफ मैन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन की डायरेक्टरी, वेब पोर्टल और मोबाइल एप की ई–लॉन्च

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्पष्ट कहा है कि गुजरात में पर्यावरण संरक्षण के साथ सतत औद्योगिक विकास के लिए हमने इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाने को प्राथमिकता दी है। शनिवार को गांधीनगर में गुजरात डाइस्टफ मैन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन की डायरेक्टरी–2020, वेब पोर्टल और मोबाइल एप की ई–लॉन्चिंग करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में जारी की अपनी नई औद्योगिक नीति 2020 में भी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहनों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य में वटवा, अंकलेश्वर, वापी और वडोदरा जैसे पॉकेट्स (क्षेत्रों) को ध्यान में रखकर इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर के आधार पर पर्यावरण को संरक्षित करते हुए औद्योगिक विकास हो रहा है। गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा और पर्यावरण राज्य मंत्री जयद्रथसिंह परमार सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद थे। रूपाणी ने कहा कि गुजरात की सकल घरेलू उत्पाद दर (जीडीपी रेट), निर्यात दर और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में लगातार इजाफा हो रहा है और मौजूदा हालात में चीन से बाहर निकलने वाले उद्योगों के लिए भारत और खासकर गुजरात निवेश का श्रेष्ठ गंतव्य बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में डाइस्टफ और केमिकल हब के रूप में गुजरात की ख्याति को पर्यावरण संरक्षण के साथ आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी डाइस्टफ मैन्युफेक्चरिंग एसोसिएशन और उसके सदस्य उद्योगों की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में विकास की गति सुस्त जरूर पड़ी थी, लेकिन रुकी नहीं थी और अब विकास कार्यों से रोजाना की गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं। उन्होंने कहा कि यह एसोसिएशन की डायरेक्टरी, मोबाइल एप और वेब पोर्टल डाइस्टफ उद्योगपतियों को दुनिया के साथ जोड़ने में उपयोगी साबित होगा। गृह राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने आश्वासन दिया कि एसोसिएशन की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री उचित विचार करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने भारतीय सेना को लौटाए अरुणाचल प्रदेश से लापता हुए पांच नागरिक

नेशनल डेस्क:

अरूणाचल प्रदेश के उच्च सुबनसिरी जिले में मैकमोहन लाइन के निकट से चीन की जनमुक्ति सेना (पीएलए) द्वारा कथित तौर पर अगवा किए गए पांच युवकों को शनिवार को अंजॉ जिले में छोड़ दिया गया। यह स्थान ईटानगर से करीब 1,000 किमी की दूरी पर है। तेजपुर में रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल हर्ष वर्धन पांडे ने बताया कि पीएलए ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद इन युवाओं को भारतीय सेना को सौंप दिया। प्रवक्ता ने कहा, ''कोविड-19 संबंधी प्रोटोकॉल के अनुरूप पांचों युवकों को 14 दिन के लिए पृथक-वास में रखा जाएगा और उसके बाद उन्हें उनके परिजन को सौंप दिया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में काफी समय से भारत और चीन के बीच गतिरोध बना हुआ है। जिले के नाचो इलाके के ग्रामीण युवक दो सितंबर को जंगल में शिकार करने गए थे जिन्हें सेरा-7 से चीनी सैनिक कथित तौर पर ले गए। सेरा-7 सेना का गश्ती क्षेत्र है जो नाचो के उत्तर में 12 किमी की दूरी पर स्थित है। पांडे ने बताया, ''अरूणाचल प्रदेश अपनी समृद्ध प्राकृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। यहां लोग रोमांच की तलाश में, औषधियां खोजने और शिकार के लिए भी जंगलों में जाते हैं और कई हफ्तों तक जंगलों, दूर दराज के इलाकों में रहते हैं।

इस दौरान वे कई बार अनजाने में वास्तविक नियंत्रण रेखा की दूसरी ओर चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे सभी लोगों को भारतीय सेना अपने निरंतर प्रयासों तथा समन्वय के जरिए सुरक्षित लौटा लाती है।

अफगान शांति वार्ता पर बोले जयशंकर, अफगानिस्तान की संप्रभुता का सम्मान जरूरी

नई दिल्ली:

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि अफगान शांति प्रक्रिया में अफगानिस्तान की सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। दोहा में आयोजित अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में डिजिटल माध्यम से हिस्सा लेते हुए जयशंकर ने कहा कि शांति प्रक्रिया को मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अल्पसंख्यकों, महिलाओं और खतरे की आशंका वाले वर्गों के हित सुनिश्चित हों एवं देशभर में हिंसा का प्रभावी समाधान निकाला जाए। जयशंकर ने एक के बाद एक किए गए ट्वीट के जरिये अपने संबोधन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लम्बे समय से जारी भारत के उस रूख की पुन~ पुष्टि की कि शांति प्रक्रिया अफगानिस्तान के स्वामित्व वाला, अफगानिस्तान नीत और अफगानिस्तान नियंत्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, '' हमारे लोगों के बीच मित्रता अफगानिस्तान के साथ हमारे इतिहास की गवाही देती है। हमारी 400 से अधिक परियोजनाओं के जरिये अफगानिस्तान का कोई हिस्सा अछूता नहीं है। हमें विश्वास है कि हमारे सभ्यतागत संबंध आगे बढ़ना जारी रहेंगे।%% गौरतलब है कि पिछले महीने अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान के 400 कैदियों को छोड़ने पर सहमति व्यक्त की थी जिससे युद्धग्रस्त देश में पिछले दो दशकों से जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिये बहुप्रतिक्षित शांति प्रक्रिया शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया में भारत एक महत्वपूर्ण पक्षकार है। भारत ने अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण गतिविधियों में करीब 2 अरब डालर का निवेश किया है। फरवरी में अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद भारत उभरती राजनीति स्थिति पर करीबी नजर बनाये हुए हैं। इस समझौते के तहत अमेरिका, अफगानिस्तान से अपने सैनिक हटा लेगा। वर्ष 2001 के बाद से अफगानिस्तान में अमेरिका के करीब 2400 सैनिक मारे गए हैं।

दशकों के संघर्ष के बाद अफगानिस्तान के विरोधी धड़ों की शांति के लिए वार्ता शुरू

दुबई

अफगानिस्तान के विरोधी खेमों ने दशकों के संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से पहली बार वार्ता शुरू की है जिसमें अफगान सरकार तथा तालिबान द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कतर में वार्ता के उद्घाटन समारोह में अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भाग लिया। वार्ता से संबंधित बैठकें कतर में ही होंगी। यह बातचीत नवंबर में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप प्रशासन द्वारा संचालित अनेक कूटनीतिक गतिविधियों में से एक है। दीर्घकालिक शांति के मकसद से यह वार्ता महत्वपूर्ण है जिससे अमेरिका और नाटो सैनिकों की करीब 19 साल के बाद अफगानिस्तान से वापसी का रास्ता साफ होगा। वार्ता से पहले दो खाड़ी देशों- बहरीन ने शुक्रवार को तथा संयुक्त अरब अमीरात ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल को मान्यता दी। वार्ता में दोनों पक्ष कठिन मुद्दों को सुलझाने का प्रयास करेंगे। इनमें स्थायी संघर्ष विराम की शर्तें, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के अधिकार तथा दसियों हजार तालिबान लड़ाकों का निरस्त्रीकरण शामिल है। दोनों पक्ष संवैधानिक संशोधनों और सत्ता बंटवारे पर भी बातचीत कर सकते हैं। देश के नाम और झंडे को लेकर भी चर्चा हो सकती है। देश का नाम इस्लामी अफगानिस्तान गणराज्य रहेगा या इस्लामी अफगानिस्तान अमीरात, जिस नाम से इसे तालिबान के शासन के समय जाना जाता था। इस पर बातचीत हो सकती है। सरकार द्वारा नियुक्त वार्ताकारों में चार महिलाएं भी शामिल हैं जिन्होंने कट्टरपंथी तालिबान के साथ किसी भी सत्ता साझेदारी के समझौते में महिलाओं के अधिकार सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। इनमें कार्य, शिक्षा तथा राजनीतिक जीवन में सहभागिता के अधिकार शामिल हैं। अमेरिका नीत गठबंधन बल ने 2001 में तालिबान को अपदस्थ किया था। 11 सितंबर के भयावह हमलों के साजिशकर्ता ओसामा बिन-लादेन को शरण देने के कारण यह कार्रवाई की गयी थी।

अमेरिका ने 1000 से अधिक चीनी छात्रों का वीजा किया रद्द, ड्रेगन बोला-यह नस्लीय भेदभाव

वॉशिंगटन:

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मई के महीने में कुछ चीनी छात्रों और शोधकर्ताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के बाद अब अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने 1,000 से अधिक चीनी छात्रों के वीजा रद्द कर दिए । रद्द किए गए वीजा की यह संख्या इस हफ्ते तक की है। अमेरिकी सरकार द्वारा दी गई यह पहली आधिकारिक संख्या है।इससे पहले मई में चीनी छात्रों पर प्रतिबंध लगाते हुए ट्रंप ने कहा था कि उनका इस्तेमाल संवेदनशील अमेरिकी तकनीक और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी को हासिल करने के लिए हो रहा है। अमेरिका चीन पर एक यूनिवर्सिटी की कोविड-19 की रिसर्च चुराने की कोशिश का आरोप भी लगा चुका है और उसका कहना है कि देश में चीनी सरकार द्वारा जासूसी के मामले भी बढ़े हैं। ट्रंप अपने चुनाव अभियान में भी चीन पर कई गंभीर आरोप लगाते आए हैं। वे कोरोना वायरस को रोकने में चीन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठा चुके हैं। ट्रंप कई बार अपने भाषणों में कोरोना वायरस को चीनी वायरस तक कह चुके हैं। दूसरी ओर वीजा रद्द किए जाने पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, ÷हम चीन से वैध छात्रों और विद्वानों का स्वागत करना जारी रखेंगे, जो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सैन्य प्रभुत्व के लक्ष्यों को आगे नहीं बढ़ाते हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी साझा नहीं की कि किन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं। अमेरिका द्वारा चीन के करीब 1000 छात्रों का वीजा रद्द करने के फैसले को चीन के विदेश मंत्रालय ने ''नस्लीय भेदभाव और मानवाधिकार का उल्लंघन'' बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने एक बयान में कहा कि छात्रों का वीजा रद्द करना ''राजनीतिक दमन और नस्लीय भेदभाव'' की तरह है। एक दिन पहले ही अमेरिका के कार्यकारी गृह सुरक्षा सचिव चाड वुल्फ ने कहा कि उनके विभाग ने ''चीनी सेना के साथ जुड़ाव वाले कुछ चीनी छात्रों और शोधार्थियों का वीजा रद्द करने का फैसला किया है।

संक्षिप्त समाचार

चीन ने अमेरिका के राजनयिकों पर लगाए नए प्रतिबंध

बीजिंग: चीन और हांगकांग में काम कर रहे अमेरिका के राजनयिकों की गतिवधियों पर चीन ने नए प्रतिबंधों की घोषणा की है और इसे पिछले साल अमेरिका में चीन के राजनयिकों पर लगे इसी तरह के प्रतिबंध की प्रतिक्रिया के रूप में उचित कदम करार दिया है। शुक्रवार देर रात जारी ऑनलाइन बयान में विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह नियम बीजिंग में अमेरिकी दूतावास और पूरे चीन में स्थित वाणिज्यदूतावासों के वरिष्ठ राजनयिकों एवं अन्य कर्मियों पर लागू होगा। हालांकि प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने दोनों देशों के बीच सभी क्षेत्रों में सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग का समर्थन किया है। अगर अमेरिका पिछले साल अक्टूबर में लागू कदमों को वापस ले ले तो यह प्रतिबंध हटाया जा सकता है। प्रवक्ता की पहचान जाहिर नहीं की गई है। प्रवक्ता ने कहा, एक बार फिर हम अमेरिका से अपील करते हैं कि वह अपनी गलतियों को सुधारें और चीन के दूतावास और उसके कर्मियों पर लगे अनुचित प्रतिबंध हटाएं और चीन भी अमेरिका के कदमों पर परस्पर कदम उठाएगा। हालांकि अभी नए प्रतिबंधों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। अमेरिका के राजनयिकों पर पहले से ही चीन के किसी भी हिस्से में जाने और कॉलेज परिसरों तक पहुंच के लिए प्रतिबंध है।

पाकिस्तान ने अपने 2 ड्रग तस्करों के शव लेने से किया इंकार, BSF ने किया अंतिम संस्कार

इस्लामाबाद: पाकिस्तान ने 9 सितंबर को सीमा सुरक्षा बलों (BSF) द्वारा मारे गए दो ड्रग्स पेडलर्स के शवों को लेने से इंकार कर दिया। भारत के राजस्थान के अनूपगढ़ सेक्टर में में मारे गए इन तस्करों के शव पाक द्वारा न लेने पर बीएसएफ कर्मियों ने दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया। BSF ने कई बार पाक रेंजर से फ्लैग मीटिंग की लेकिन उन्होंने इन तस्करों को अपना नागरिक मानने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान रेंजर्स का कहना था कि वे पहले इनकी तस्दीक करेंगे फिर शवों को लेंगे। सूत्रों ने बताया कि एक तस्कर के पास मिले पहचान पत्र पर मुश्ताक अहमद निवासी जिला बहावलनगर, पाकिस्तान लिखा हुआ है जबकि दूसरे की पहचान नहीं हुई। फिर भी पाक रेंजर्स ने शव नहीं लिए। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि शव अंतिम संस्कार के लिए पुलिस को सौंप दिए गए थे। उपमहानिरीक्षक (राजस्थान सीमा) मदन सिंह राठौड़ ने बताया था कि श्रीगंगानगर सेक्टर में ख्यालीवाला सीमा चौकी के पास दो व्यक्ति बाड़ के समीप आते दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि गश्त पर तैनात गार्ड ने उन्हें ललकारा और उन्हें लौट जाने को कहा, लेकिन उन्होंने चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया । इस पर गश्ती दल ने उन पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि फायरिंग में दोनों घुसपैठिये मारे गए। BSF को घुसपैठियों के पास से दो पिस्तौल, कुछ कारतूस और मैगजीन, एक एक किलोग्राम हेरोइन के आठ पैकेट, नाइटविजन उपकरण और 13000 रुपए मूल्य की पाकिस्तानी मुद्रा मिलीं। राठौड़ के अनुसार घुसपैठियों में से एक के पास मिले पहचान पत्र के आधार पर उसकी शिनाख्त शाहबाज अली के रूप में हुई है। दूसरे की पहचान नहीं हुई है। एक महीने से थोड़ा अधिक समय में यह ऐसी दूसरी घटना है।

पाक सेना के खिलाफ लिखने वाला पत्रकार बिलाल फारूकी गिरफ्तार

पेशावर: पाकिस्तान में एक वरिष्ठ पत्रकार बिलाल फारूकी को डिफेंस पुलिस ने कराची स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। कराची पुलिस प्रमुख, अतिरिक्त महानिरीक्षक गुलाम नबी मेमन ने पाक सेना के खिलाफ पोस्ट डालने के मामले में बिलाल फारूकी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि फारूकी के खिलाफ 9.9.20 को पीएस डिफेंस की एफआईआर दर्ज की गई थी । इससे पहले एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फारूकी के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 500 और 505 व इलेक्ट्रॉनिक अपराध अधिनियम की धारा 11 और 20 के तहत मामला दर्ज है। 9 सितंबर को एक नागरिक यह शिकायत कराई थी। बिलाल फारूकी न्यूजपेपर में न्यूज एडिटर के तौर पर काम करते हैं। पत्रकार एबाद अहमद ने ट्वीट करके बताया कि 'दो पुलिसकर्मियों के साथ सादे कपड़े में आए दो लोगों ने बिलाल फारूकी को उनके घर से हिरासत में ले लिया।' उन्होंने बताया, पुलिस दोबारा बिलाल के घर आई और उनकी पत्नी को गिरफ्तारी की सूचना दी. पुलिस ने बिलाल का फोन जब्त कर लिया है। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि फारूकी ने 'अत्यधिक उत्तेजक पोस्ट' शेयर की है। इस पोस्ट को पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बताया गया है। फारूकी पर पाकिस्तानी सेना का अपमान करने का आरोप लगाया गया है। विवादित पोस्ट में धार्मिक घृणा से संबंधित सामग्री होने की भी बात कही गई है।

पूर्वी कांगो में सोने की खान धंसने से 50 से अधिक लोगों की मौत

किन्शासा

पूर्वी कांगो के दक्षिणी कीवु प्रांत में कमीतुगा शहर के पास भूस्खलन के बाद सोने की तीन खान धंसने से 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई। कुछ दिनों तक हुई भारी बारिश के चलते यह दुर्घटना हुई। कमीतुगा के मेयर अलेक्सांद्र बुंदया ने बताया कि मृतकों में खनिक और अन्य कर्मी शामिल हैं। इस दुर्घटना में जीवित बचे दीवा होनोर ने बताया कि 50 से अधिक लोग तीन खानों में थे, जो करीब 50 मीटर गहरी थी।

ट्रंप की ऐतिहासिक सफलता: UAE के बाद अब बहरीन-इसराईल के बीच करवाया शांति समझौता

इंटरनेशनल डेस्क:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों उस समय और बल मिला जब संयुक त अरब अमीरात के बाद बहरीन ने भी इसराईल को मान्यता देने और संबंधों को सामा~ य बनाने पर अपनी सहमति दे दी ।ट्रंप ने बहरीन के साथ एक शांति समझौता किया है और घोषणा की है कि इससे इसराईल के राजनयिक संबंध सामान्य होने में मदद मिल सकेगी। ट्रंप ने यह घोषणा इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और बहरीन के किंग हमद बिन इसा अल खलीफा के बीच फोन पर हुई बात के बाद की। इसके करीब एक महीने पहले ट्रंप ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और इसराईल के बीच मध्यस्थता की थी। अगले हफते व्हाइट हाउस में यूएई और इसराईल के नेताओं के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर होने हैं। बहरीन-इसराईल डील के बाद अमेरिकी राष ट्रपति ने ट्वीट किया, 'आज एक और ऐतिहासिक सफलता।' दोनों देशों के बीच इस डील का ऐलान अमेरिका पर 11 सितंबर को हुए आतंकी हमले के 19 साल पूरे होने के दिन किया गया।

ट्रंप एक सप्ताह बाद ही वाइट हाउस में यूएई और इसराईल के बीच डील को लेकर एक समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। बहरीन के विदेश मंत्री भी इस ऐतिहासिक समारोह में मौजूद रहेंगे। ट्रंप ने बताया कि शांति और सहयोग की भावना से प्रेरित होकर नेतन्याहू और अल खलीफा इस पर सहमत हुए हैं कि बहरीन-इजराइल के साथ अपने राजनयिक संबंधों को पूरी तरह सामान्य करेगा। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होंगे, सीधी उड़ानें शुरू होंगी तथा स्वास्थ्य, व्यवसाय, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सुरक्षा और कृषि समेत व्यापक क्षेत्रों में सहयोग के लिए पहल की जाएगी।

डर के मारे अमेरिका भागी वैज्ञानिक, कहा- चीन ने ही बनाया कोरोना, मेरे पास सबूत

इंटरनेशनल डेस्क: दुनिया में कोरोना वायरस महामारी को लेकर चीन की वायरोलॉजिस्ट ने बड़ा खुलासा किया है। चीन से डरकर अमेरिका भागी एक वायरोलॉजिस्ट डॉ ली मेंग यान ने दावा किया है कि कोरोना वायरस को बीजिंग ने ही तैयार किया है और फिर इसे छिपाने की कोशिश भी की। डॉ ली मेंग यान ने कहा है कि उनके पास इसके सबूत हैं और वह सबूत पेश करने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके सबूतों से साबित हो जाएगा कि कोरोना वायरस को चीन की लैब में ही तैयार किया गया है। डॉ ली मेंग यान का कहना है कि वह जो सबूत पेश करने जा रही हैं, उससे वैज्ञानिक समुदाय से बाहर के लोग भी यह समझ जाएंगे कि कोरोना वायरस को इंसानों ने ही तैयार किया है। बता दें कि डॉ ली मेंग यान ने जब कोरोना वायरस के ऊपर स्टडी शुरू की जब वह हॉन्ग कॉन्ग यूनिवर्सिटी में बतौर रिसर्चर काम कर रही थीं। अब वह जान पर खतरा महसूस होने पर अमेरिका चली गईं। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, डॉ ली मेंग यान अपनी जान पर खतरा महसूस करने लगी थीं, इसीलिए वह अमेरिका चली गईं और अब अमेरिका में किसी खूफिया जगह पर रह रही हैं। डॉ ली मेंग यान का कहना है कि चीन सरकार ने उनसे जुड़ी सभी जानकारियों को अपने सरकारी डेटाबेस से हटा दिया है। ऐसे में अब उन्होंने कोरोना के वुहान की लैब में बनाए जाने का दावा किया। डॉ ली मेंग यान एक वायरोलॉजिस्ट हैं, जिन्होंने सीधे तौर पर कहा है कि वुहान की लैब में कोरोना वायरस तैयार किया गया है। ली मेंग यान ने वायरस के बारे में बताते हुए कहा कि वायरस के **Genome Sequence** फिंगर प्रिंट की तरह होते हैं, जिससे पता लगाया जा सकता है कि वह लैब में बनाया गया है या फिर नेचुरल तरीके से आया है। ली मेंग यान हॉन्ग कॉन्ग में रह रही थीं। वह वहीं से कोरोना पर रिसर्च कर रही थीं लेकिन अब वहां पर उनसे जुड़ा सभी डाटा सरकार ने डिलीट कर दिया है। ली मेंग यान का कहना है कि वह पर उनसे जुड़े लोगों को कहा गया कि उनके बारे में अफवाह फैलाएं कि वह झूठ बोलती हैं और कुछ नहीं जानती हैं।

ट्रंप के कोरोना वैक्सीन के दावों पर TV चैनल ने उठाए सवाल, इवांका बोली- मैं लाइव शो में करूंगी इस्तेमाल

न्यूयार्क: रूस के राष्ट्रपति व्लादमिर पुतिन की एक बेटी द्वारा कोरोना वैक्सीन के ट्रायल में शामिल होने के दावों के बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर चौकाने वाली खबर आई है। इवांका ने एक TV चैनल की ओर से दिए कोरोना वैक्सीन के चैलेंज को स्वीकार कर लिया है। इवांका ने ट्वीट करके कहा कि वह एक लाइव शो में कोरोना वैक्सीन का इस्तेमाल करने के लिए तैयार हैं। दरअसल, ऊ होस्ट जॉय बेहार ने कोरोना वैक्सीन को लेकर संदेह जताया था। टीवी शो 'द व्यू' में को-होस्ट जॉय बेहार ने कोरोनो वैक्सीन की आलोचना की थी, जिसे ट्रंप प्रशासन के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है। बेहार ने वैक्सीन की विश्वसनीयता पर संदेह जताया था। उन्होंने कहा, ÷पोलियो और चेचक के लिए भी दवा बनने में काफी समय लग गया था इसलिए इसकी दवा बनाना इतना आसान नहीं है। ट्रंप सिर्फ इलेक्शन के लिए वैक्सीन को प्रचारित कर रहे हैं, ताकि वह दोबारा से राष्ट्रपति बन सकें। TV शो पर बेहार को यह भी कहते सुना गया कि 'अगर इवांका ट्रंप कोरोना वैक्सीन को लेती हैं तो वो भी इसके लिए तैयार हैं। ' इस पर जवाब देते हुए इवांका ने कहा कि वह इस वैक्सीन को लाइव शो के दौरान लेने के लिए तैयार हैं। इवांका ने ट्वीट किया, डियर जॉय बेहार अगर आपको इस वैक्सीन को लेकर कोई भी शंका है तो मैं आपके शो में आकर इसे इस्तेमाल करूंगी। मैं आपका ये चैलेंज स्वीकार करती हूं। मुझे फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) पर पूरा भरोसा है और मेरे साथ-साथ पूरे अमेरिकी लोगों को भी उन पर भरोसा है।

दुनिया का एक मात्र महाद्वीप अब तक कोरोना से मुक्त !

जोहानिसबर्ग

आज जब तमाम देश कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहे हैं तो दुनिया का एक हिस्सा ऐसा भी है जहां लोग अब तक इस जानलेवा बीमारी से मुक्त हैं, बिना मास्क के एक-दूसरे से घुलते-मिलते हैं और हजारों मील दूर से महामारी के कारण मची तबाही को देख रहे हैं। ये 'दुनिया अंटार्कटिका है। एक मात्र महाद्वीप जो कोविड-19 से अछूता है। इस बर्फीले इलाके में कई हफ्ते और महीने बिना सूरज को देखे बिताने वाले करीब 1000 वैज्ञानिकों और अन्य लोगों को अब सूरज नजर आना शुरू हुआ है और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिये एक वैश्विक प्रयास भी शुरू किया है कि यहां आने वाले उनके सहकर्मी अपने साथ जानलेवा वायरस न लेकर आएं। ब्रिटेन के रोथेरा रिसर्च स्टेशन के क्षेत्र मार्गदर्शक रॉब टायलर कहते हैं कि यह हमारा छोटा सुरक्षित बुलबुला है। कोरोना पूर्व के समय में भी अंटार्कटिका आने वाले दलों के लिये दीर्घकालिक पृथक-वास, आत्म निर्भरता, मनोवैज्ञानिक दबाव एक आम बात थी जबकि बाकी दुनिया इसे बेहद हैरानी की दृष्टि से देखती थी। समय कैसे बदल गया है। अक्टूबर में यहां आने की वजह से महामारी से पूरी तरह से अनजान रहे टायलर ने कहा, समान्य रूप से कहें तो हमें दी गई छूट उससे कहीं ज्यादा है जो लॉकडाउन के चरम के दौरान ब्रिटेन में लोगों को मिली थी। टायलर ने कहा, हम स्की कर सकते हैं, सामान्य रूप से एक दूसरे से मिलजुल सकते हैं, दौड़ सकते हैं, जिम का इस्तेमाल कर सकते हैं, सभी कुछ जिसकी वजह हो कर सकते हैं। दक्षिण ध्रुव समेत अंटार्कटिका पर सभी दलों की तहत टायलर और उनके 26 सहकर्मी हर तरह के काम में दक्ष होने चाहिए जहां गलती की गुंजाइश बेहद कम हो। उन्होंने कहा कि वे पालियों में खाना बनाते हैं और मौसम संबंधी पर्यवेक्षण करते हैं। अच्छा इंटरनेट उन्हें दुनिया के अन्य हिस्सों से जोड़ता है जहां वे धरती के बाकी हिस्सों को चपेट में ले रही महामारी के बारे में भी पढ़ते हैं टायलर ने कहा, हमें अभी तक सामाजिक दूरी के नियमों को लेकर बहुत अधिक व्यवहारिक अनुभव नहीं है। वहीं न्यूजीलैंड के स्कॉट बेस में एक छोटी गोल्फ और फिल्म निर्माण की प्रतियोगिता चल रही है। इतनी दूर बैठकर महामारी को देखने को लेकर टीम के सर्दियों के प्रमुख और डॉक्टर रोरी ओकोन्नोर कहते हैं, लगता है कि हम अभी इससे थोड़ा अलग हैं। आप इसकी भयावहता को स्वीकार करते हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसकी वजह से भावनात्मक स्तर पर मची उथल-पुथल को अभी हम पूरी तरह आंक पाए हैं। उन्होंने कहा कि जब एक बार साथी आना शुरू होंगे तब वे कोविड-19 को लेकर जांच कर पाएंगे। सोमवार से साथी आना शुरू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि वायरस का कोई भी मामला लाल प्रतिक्रिया स्तर की शुरुआत करेगा। कोविड-19 को लेकर देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में भले ही कड़वाहट आ रही हो लेकिन यहां 30 देशों की 'काउंसिल ऑफ मैनेजर ऑफ नेशनल अंटार्कटिक प्रोग्राम्स (COMNP) वायरस को क्षेत्र से बाहर रखने के लिये पूरी तरह से एकजुट है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रोड्यूसर बनकर कमबैक करने जा रहीं करिश्मा कपूर!

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने कई हिट फिल्मों में काम किया है, लेकिन अब वह काफी समय से फिल्मों से दूर हैं। अब खबरें आ रही है कि करिश्मा कपूर जल्द ही फिल्मों में कमबैक करने वाली हैं।

बीते दिनों करिश्मा कपूर ने एकता कपूर के वेब शो 'मेंटलहुड' से अपना डिजीटल डेब्यू किया था, जो उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। ताजा खबरों की माने तो करिश्मा प्रोड्यूसर बनने की तैयारी कर रही हैं। वह ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए ऑरिजनल कंटेंट का निर्माण करेंगी। बताया जा रहा है कि करिश्मा की फैमिली उनके प्रोड्यूसर बनने के बारे में गंभीरता से सोच रही है। शायद करिश्मा अपनी बहन करीना कपूर खान के साथ सह-निर्माता के रूप में हाथ मिला सकती हैं। लेकिन ये अभी तक प्लानिंग स्टेज में ही है।

अमिताभ बच्चन ने सुनाई कनखजूरे की दास्तां, बोले- बिन पूछे घुस गया भैया कान में...

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। कोरोना से जंग जीतने के बाद अमिताभ 'कौन बनेगा करोड़पति' की शूटिंग में बिजी हो गए हैं। हाल ही में अमिताभ ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने कनखजूरा की दास्तां को बया किया।

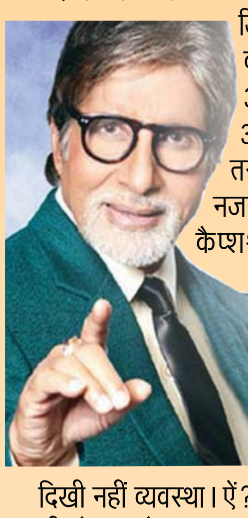

अमिताभ ने केबीसी के सेट से अपनी की एक तस्वीर की है। इस तस्वीर में वह अपना कान पकड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'बिन पूछे एक कनखजूरा घुस गया भैया कान में, बहुत कोशिश की लोग ने पर उ पहुंचा दूसरे कान में। बाहर निकलकर जोर से बोला, सुनो हमारी गाथा, इन साहिब के खोपरी में कुछ दिखी नहीं व्यवस्था। ऐं? क्या व्यवस्था मिली न तुमको, हमे भी तो बताओ, घांस-फूंस से भरा है कमरा, खुदय देख के आओ।' अमिताभ बच्चन की इस कविता को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, और जमकर जमकर कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि अमिताभ का शो कौन बनेगा करोड़पति जल्द ही शुरू होने वाला है। वर्क फंट की बात करें तो अमिताभ आखिरी बार फिल्म गुलाबो-सिताबो में नजर आए थे। वह जल्द ही फिल्म झुंड, चेहरे और ब्रह्मास्त्र में दिखाई देंगे।

एआर रहमान को मद्रास हाई कोर्ट ने भेजा नोटिस, कर चोरी का लगा आरोप, 3.47 करोड़ जुर्माना

मद्रास उच्च न्यायालय ने संगीतकार एआर रहमान को आयकर विभाग द्वारा दायर एक अपील के आधार पर नोटिस जारी किया है। अपील में, आईटी विभाग ने कहा कि एआर रहमान ने अपने धर्मार्थ ट्रस्ट को 3.47 करोड़ रुपये के पारिश्रमिक को कथित रूप से स्थानांतरित करके व्यक्तिगत क्षमता में कर चोरी की थी। आईटी विभाग ने रहमान की टैक्स फाइलिंग में वर्ष 2011-12 में विसंगतियां पाई हैं।

आयकर विभाग ने मद्रास उच्च न्यायालय को यह कहते हुए स्थानांतरित कर दिया था कि एआर रहमान ने एआर रहमान फाउंडेशन को 3.47 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक दिया था। तुला राशि वालों के लिए यूके स्थित टेलीकॉम कंपनी के लिए रिंगटोन तैयार करने का बड़ा योग था। कहा जाता है कि यह घटना 2011 में हुई थी, और तीन साल का अनुबंध कंपनी के लिए विशेष रिंगटोन बनाने के लिए था। आयकर विभाग के वकील ने कहा कि काम के लिए आय रहमान के व्यक्तिगत खाते में प्राप्त की जानी है और यह कर योग्य है। आयकर में कटौती के बाद इसे धर्मार्थ ट्रस्ट में स्थानांतरित किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति टीएस शिवज्ञानम और न्यायमूर्ति वी भवानी सुब्बारोयान की खंडपीठ ने संगीतकार एआर रहमान को नोटिस भेजा था। इससे पहले, फरवरी में, मद्रास HC ने वस्तु एवं सेवा कर और केंद्रीय उत्पाद शुल्क के आयुक्त द्वारा दिए गए आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसमें एआर रहमान को बकाया और अतिरिक्त के रूप में 6.79 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया था, यह 6.79 करोड़ का जुर्माना था।

जीएसटी अधिकारियों ने कहा कि रहमान ने फिल्मों के लिए रचना करके और अपने संगीत के काम के लिए रॉयल्टी प्राप्त करके आय अर्जित की। जीएसटी परिषद के अनुसार, सेवाएं कर योग्य थीं और संगीतकार पर उसी के लिए सेवा कर का भुगतान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

सिंगल हैं टीवी ऐक्ट्रेस हिना परमार, ढूंढ रही हैं ऐसा पार्टनर

टीवी ऐक्ट्रेस हिना परमार इन दिनों छोटे परदे के धार्मिक सीरियल 'विघ्नहर्ता गणेश' में तुलसी माता के किरदार में नजर आ रही हैं। 'विघ्नहर्ता गणेश' की शूटिंग मुंबई के आउटर आसनगांव में होती है। सीरियल की शूटिंग के दौरान कलाकारों को सेट की ओर से प्रोवाइड फ्लैट या होटल में ही रहना होता है। पिछले हफ्ते ही वह अपने हिस्से की शूटिंग कर मुंबई वापस आ गई हैं।

सीरियल में अपनी एंट्री को लेकर हुई खास बातचीत में हिना ने अपनी पर्सनल लाइफ पर भी बात की और बताया कि इस समय वह सिंगल हैं और मिंगल होने का मन भी बना लिया है। हिना कैसा पार्टनर चाहती हैं अपने लिए पढ़िए विस्तार से।

सिंगल हूं, मिंगल होना चाहती हूं

क्या आप सिंगल हैं? जवाब में हिना कहती हैं, 'जी हां मैं बिल्कुल सिंगल हूं और मैं जरूर मिंगल होना चाहती हूं। कैसा लड़का चाहती हूं यह बात मुझे समझ में नहीं आती क्योंकि मुझे लगता है हम जैसा साथी चाहते हैं, वैसा कभी नहीं मिलता है। अगर ऐसा हो कि जैसा पार्टनर मैं चाहूं तो एक लंबी लिस्ट है मेरी कि मेरे साथी में क्या खूबियां होनी चाहिए।'

मेरा लाइफ पार्टनर आलसी न हो

'मैं यह जरूर बता सकती हूं कि मुझे कैसा पार्टनर नहीं चाहिए। मेरा लाइफ पार्टनर आलसी न हो क्योंकि मैं बहुत ज्यादा टाइमिंग को फॉलो करती हूं। ऐसा साथी चाहती हूं, जिसके लाइफ के अपने कुछ ऐसे गोल्स हों, जिससे मैं भी प्रभावित होती रहूं। मैं बड़े-बड़े सपने नहीं देखती, मुझे मुंबई जैसे शहर में एक साधारण लाइफ चाहिए, यही काफी है। पार्टनर ऐसा हो तो लाइफ में कुछ ऐसा करता रहे, जिससे मुझे मोटिवेशन मिलता रहे। मैं दूसरों को देखकर बहुत ज्यादा मोटिवेट होती हूं।'

एक-दो साल में खत्म हो जाता है प्यार

'पार्टनर के बीच जो प्यार होता है, वह एक-दो साल में खत्म हो जाता है और उसके बाद आपसी समझदारी और गोल्स, यही इस रिश्ते को आगे बढ़ाते हैं। मेरे लिए किसी रिश्ते में जाना या शादी करने का मतलब यह है कि आज मैं जितनी खुश हूं, वह खुशी कम न हो, बल्कि बढ़े। अगर किसी रिश्ते की वजह से किसी की भी खुशी कम हो रही है, इसका मतलब है मिंगल होने से अच्छा है सिंगल रहो।'

कोरोना से डर के बीच आराम से हो रही है शूटिंग

हिना 'विघ्नहर्ता गणेश' की शूटिंग के दौरान के अनुभव साझा करते हुए कहती हैं, 'मेरे लिए सीरियल की शूटिंग बहुत यादगार रही, सेट पर कोरोना से बचने के तमाम नियमों और सुविधाओं के बाउजूद आराम से शूटिंग हो रही है। इस समय सेट पर लोग काम जरूर हैं और ऐसे में हम ऐक्टर्स बहुत सारा पर्सनल काम खुद ही करते हैं, ताकि काम से काम लोगों के सम्पर्क में रहा जाए। सेट पर शूटिंग के दौरान हमने गणपति महोत्सव का आनंद भी उठाया, डेढ़ दिन की गणपति भी स्थापित किए गए थे, बाद में विधि-विधान के साथ उनका विसर्जन किया गया।'

प्रभास ने किया खुलासा, इस बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए धड़कता है उनका दिल

'बाहुबली' फेम साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके फैंस न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर के कई देशों में मौजूद हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रभास किसके फैन हैं? वो कोई और नहीं, बल्कि बॉलीवुड की 'मस्त-मस्त गर्ल' एक्ट्रेस रवीना टंडन हैं। वो भी कुछ दिनों से नहीं बल्कि एक लंबे समय से उनका क्रश रवीना पर है।

प्रभास ने हाल में ही में बताया था, 'मैं रवीना का बड़ा फैन हूं। हर बार जब मैं अंदाज अपना अपना का गाना एलो जी सनम मैं उन्हें देखता हूं, तो मेरे मुंह से वॉव ही निकलता है।'

बता दें, प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' के डिस्ट्रीब्यूटर रवीना के हसबैंड अनिल थडानी ही थे। इतना ही नहीं, सूत्रों के मुताबिक इस फिल्म के एक्टर्स और मेकर्स काफी क्लोज फ्रेंड्स हैं और ये हैदराबाद के एक ग्रुप का हिस्सा भी हैं। ये लोग जब भी मुंबई आते हैं तो अनिल और रवीना से जरूर मिलते हैं।

वहीं, साल 2019 में जब प्रभास 'साहो' के प्रमोशन के लिए एक रियलिटी शो पहुंचे जहां रवीना जज थीं, तो उन्हें अपने क्रश के साथ सुपरहिट गाने 'टिप टिप बरसा पानी' पर डांस करने का मौका भी मिला।

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास फिल्म 'राधे श्याम' में नजर आने वाले हैं। इसमें वह पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। हाल ही प्रभास ने अपनी आगामी फिल्म 'आदिपुरुष' की घोषणा की है। इसमें बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

बॉबी देओल की हिट फिल्म 'बिच्छू' का बनेगा सीक्वल, निर्देशक गुड्डू धनोआ ने शुरू की तैयारी

बॉलीवुड में पिछले कुछ वर्षों से सुपरहिट फिल्मों का सीक्वल बनाने का दौर चल रहा है। अब तक कई फिल्मों के सीक्वल बन चुके हैं। अब बॉबी देओल की हिट फिल्म 'बिच्छू' का भी सीक्वल बनाने की तैयारी चल रही है।

निर्देशक गुड्डू धनोआ अपनी फिल्म बिच्छू का सीक्वल बनाने की तैयारी कर रहे हैं। गुड्डू धनोआ ने साल 2000 में बॉबी देओल और रानी मुखर्जी को लेकर यह फिल्म बनाई थी। गुड्डू धनोआ ने कहा, बिच्छू मेरे लिए एक फिल्म से कहीं बढ़कर एक उपलब्धि की तरह है। आज भी लोग टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस फिल्म को देखकर मुझे इसकी तारीफ में मैसेज भेजते हैं। फिलहाल मैं इसकी सीक्वल फिल्म बिच्छू 2 की योजना पर काम कर रहा हूं।

उन्होंने कहा, इस फिल्म के लिए कलाकारों और प्रोडक्शन हाउस से बातचीत चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही बिच्छू की सीक्वल फिल्म का आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है। बिच्छू 2 का प्लॉट मैंने तैयार कर लिया है।

बता दें कि बिच्छू में बॉबी देओल और रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका मे थे। बॉबी देओल हाल ही में वेब सीरीज 'आश्रम' में नजर आई थे। इस वेब सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। वहीं रानी मुखर्जी आखिरी बार फिल्म 'मर्दानी 2' में नजर आई हैं।

पूनम पांडे ने ब्वॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से की शादी, लंबा घूंघट करके लिए सात फेरे

अभिनेत्री-मॉडल पूनम पांडे, मंगेतर सैम बॉम्बे के साथ शादी के बंधन में बंध गई हैं। दोनों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी शादी के समारोहों की तस्वीरें साझा कीं। 46 वर्षीय सैम अहमद बॉम्बे में फिल्म निर्देशक हैं। पूनम पांडे लंबे समय से सैम बॉम्बे के साथ रिलेशनशिप में हैं। सैम ही पूनम पांडे की सभी फिल्मों को शूट और निर्देशित करते हैं जो पूनम पांडे की वेबसाइट पर ही रिलीज होती हैं। सोशल मीडिया पर पूनम और सैम ने शादी की तस्वीरें पोस्ट की है।

पूनम पर दूल्हा-दुल्हन के रूप में कपड़े पहने उनकी एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में लिखा ये बंधन सात जन्मों के लिए बंध गया। तस्वीर में पूनम ने गाढ़े नीले रंग का दुल्हन का जोड़ा पहना हुआ है सैम ने भी नीले रंग की शेरवानी पहनी हुई है। दोनों कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं।

पूनम ने एक तस्वीर और शेयर की है जिसमें वह सैम बॉम्बे के साथ फेरे लेती नजर आ रही हैं। इसमें आप देख सकते हैं सैम ने पूनम का हाथ पकड़ा हुआ है, पूनम ने एक लंबा घूंघट भी किया हुआ है और तस्वीर के साथ पूनम ने एक दिल का इमोजी वाला कैप्शन दिया है। सैम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पूनम के साथ एक तस्वीर भी साझा की थी। यह शायद उनके मेंहदी समारोह से है। तस्वीर में पूनम एक पेस्टल ग्रीन लहंगे के साथ हाथों में मेंहदी लगाए हुए देखी जा सकती है। सैम एक काले रंग की शेरवानी में नजर आ रहे हैं, उन्होंने शैंपेन पकड़े हुए अपने हाथों से पूनम को चारों ओर से लॉक किया हुआ है।

इस जोड़ी ने जुलाई में अपनी सगाई की घोषणा की थी। सैम ने अपनी अंगूठी दिखाते हुए उनकी एक तस्वीर साझा की थी और इसे कैप्शन दिया था, 'हमने आखिरकार ऐसा किया!' पूनम ने टिप्पणी के साथ अपने पोस्ट को स्वीकार किया, 'सर्वश्रेष्ठ भावना।'

देसी सपना चौधरी का देखें विदेशी लुक! लॉकडाउन में हो गयी है काफी पतली

सिंगर और एक्ट्रेस सपना चौधरी अपने गाने और डांस को लेकर सुर्खियों में बनीं रहती है। सपना चौधरी टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 11 की प्रतिभागी भी रह चुकी है। सपना बिग बॉस में आने से पहले केवल हरियाणा तक ही सीमित थी लेकिन सपना की बिग बॉस जर्नी लोगों को काफी पसंद आयी और आज सपना चौधरी पूरे भारत में मशहूर है खास तौर पर उत्तर भारत में उनकी फैन फोलॉइंग काफी ज्यादा है।

सपना चौधरी ने बिग बॉस 11 के बाद अपने उपर काफी काम किया है। उन्होंने एक अच्छी डाइट करके अपना वेट काफी कम किया है। सपना ने अपने स्टाइल को भी चैंज कर लिया है। एक समय था जब वह सूट सलवार पहन कर ही स्टेज शो करती थी लेकिन अब उनका लुक ग्लैमरस हो गया है।

हाल ही में सपना ने एक फोटोशूट करवाया है जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इन तस्वारों में आप देख सकते हैं कि सपना काफी पटली नजर आ रही है। फोटो में सपना ने पैरट कलर का हाइनेक टॉप पहना हुआ है और हाफ फिश कट गोल्डन स्कर्ट पहनी है।